website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 30 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 10 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

इसरो 12 जनवरी को करेगा नए सैटेलाइट का प्रक्षेपण

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) 12 जनवरी 2026 को अपना पहला अंतरिक्ष मिशन लॉन्च करने जा रहा है। इसरो का PSLV-C62 रॉकेट पृथ्वी अवलोकन उपग्रह EOS-N1 (अन्वेषा) को अंतरिक्ष में स्थापित करेगा। इसरो ने बताया कि रॉकेट और उपग्रह का इंटीग्रेशन पूरा हो चुका है और प्री-लॉन्च जांच जारी है। यह मिशन 12 जनवरी को सुबह 10:17 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से उड़ान भरेगा। EOS-N1 उपग्रह कृषि, शहरी मैपिंग और पर्यावरण निगरानी के लिए भारत की रिमोट सेंसिंग क्षमताओं को मजबूत करेगा। इस मिशन में EOS-N1 के साथ 15 अन्य सह-यात्री उपग्रह भी लॉन्च किए जाएंगे, जिससे यह एक महत्वपूर्ण मल्टी-सैटेलाइट मिशन बन गया है। इसके अलावा, स्पेन की एक स्टार्टअप कंपनी का Kestrel Initial Technology Demonstrator (KID) भी इस मिशन में शामिल है। यह भविष्य के री-एंट्री वाहन का एक छोटा प्रोटोटाइप है, जिसे कक्षा में भेजने के बाद पृथ्वी के वायुमंडल में वापस लाया जाएगा और दक्षिण प्रशांत महासागर में गिराया जाएगा। यह मिशन NewSpace India Limited (NSIL) द्वारा संचालित इसरो का 9वां व्यावसायिक (कमर्शियल) मिशन होगा। यह PSLV की 64वीं उड़ान है और PSLV-DL वेरिएंट का उपयोग करने वाला पांचवां मिशन है। PSLV अब तक चंद्रयान-1, मंगलयान, आदित्य-L1 और एस्ट्रोसैट जैसे बड़े मिशन पूरे कर चुका है। 2017 में PSLV ने एक साथ 104 उपग्रह लॉन्च कर विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था।

मध्य रात्रि जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार देर रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.3 मापी गई। भूकंप का केंद्र ताजिकिस्तान में बताया गया है। हालांकि, अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। स्थानीय मौसम विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद के अनुसार, भूकंप गुरुवार की मध्य रात्रि 2.44 बजे आया। इसका केंद्र धरती की सतह से लगभग 110 किलोमीटर गहराई में स्थित था। भूकंप के कोऑर्डिनेट्स 38.26 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 73.42 डिग्री पूर्वी देशांतर दर्ज किए गए। ताजिकिस्तान में केंद्र होने के बावजूद इसके झटके जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में महसूस किए गए। कश्मीर के गांदरबल जिले के कुछ हिस्सों में लोगों ने बताया कि रसोई में रखे बर्तनों की खड़खड़ाहट से उनकी नींद खुली, जिसके बाद उन्हें भूकंप का एहसास हुआ। कई लोग डर के कारण घरों से बाहर निकल आए। कश्मीर भूकंपीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। अतीत में यहां कई विनाशकारी भूकंप आ चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे क्षेत्रों में सतर्कता और आपदा प्रबंधन की मजबूत व्यवस्था बेहद जरूरी है।

खराब मौसम से एयर इंडिया की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित, दो फ्लाइट डायवर्ट

नई दिल्ली। खराब मौसम के चलते शुक्रवार को एयर इंडिया की दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को अपने निर्धारित गंतव्य पर उतरने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोनों उड़ानों का मार्ग बदला गया। इस संबंध में एयर इंडिया के प्रवक्ता ने आधिकारिक बयान जारी किया है।

मुंबई–लंदन एआई-131 गैटविक डायवर्ट

जानकारी के अनुसार 9 जनवरी को मुंबई से लंदन हीथ्रो जा रही एयर इंडिया की उड़ान एआई-131 को प्रतिकूल मौसम के कारण हीथ्रो एयरपोर्ट पर लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी। विमान को कुछ समय तक हीथ्रो के ऊपर होल्ड किया गया, लेकिन मौसम में सुधार न होने पर पायलट ने मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के तहत प्रायोरिटी लैंडिंग का अनुरोध किया। इसके बाद विमान को लंदन गैटविक एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया, जहां उसने सुरक्षित लैंडिंग की। यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई।

अमृतसर–बर्मिंघम एआई-117 भी डायवर्ट

इसी तरह अमृतसर से बर्मिंघम जा रही उड़ान एआई-117 भी खराब मौसम के कारण गंतव्य हवाई अड्डे पर नहीं उतर सकी। विमान को कुछ समय तक होल्ड किया गया, लेकिन हालात अनुकूल न होने पर चालक दल ने उड़ान को डायवर्ट करने का फैसला लिया। एसओपी के अनुसार प्रायोरिटी लैंडिंग की अनुमति लेकर विमान को लंदन में सुरक्षित उतारा गया।

एयर इंडिया का बयान

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों मामलों में पायलट और क्रू ने तय सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया और यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही।

वेनेजुएला की नई राष्ट्रपति ने ट्रंप के बयान पर दिया दो टूक जवाब, ड्रग तस्करी के आरोपों को बताया झूठा

काराकास (एजेंसी)। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों पर कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने ट्रंप पर 'ऊर्जा के लालच' में बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि ड्रग तस्करी और मानवाधिकार उल्लंघन से जुड़े सभी दावे पूरी तरह झूठे और निराधार हैं। ये आरोप ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के कार्यकाल को लेकर लगाए थे, जिन्हें अब वेनेजुएला ने सिरे से खारिज कर दिया है। वेनेजुएला की संसद को संबोधित करते हुए डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि उनका देश एक बड़ी ऊर्जा शक्ति है। उन्होंने बताया कि इसी वजह से वेनेजुएला को लगातार दबाव और समस्याओं का सामना करना पड़ा है, क्योंकि उत्तर के देशों की ऊर्जा भूख सीधे वेनेजुएला के प्राकृतिक संसाधनों पर टिकी हुई है।

ट्रंप ने किया यह दावा

डेल्सी रोड्रिगेज का यह बयान डोनाल्ड ट्रंप के हालिया दावे के बाद सामने आया है। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका को वेनेजुएला की नई सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आने वाले कई वर्षों तक अमेरिका वेनेजुएला और उसके विशाल तेल भंडार पर नियंत्रण बनाए रखेगा। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका वेनेजुएला को वे सभी संसाधन उपलब्ध करा रहा है, जिन्हें वह अपने लिए बेहद जरूरी मानता है।

एकतरफा समझौते नहीं होंगे स्वीकार

डेल्सी रोड्रिगेज ने साफ शब्दों में कहा कि वेनेजुएला अमेरिका के किसी भी एकतरफा समझौते को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका देश ऐसे ऊर्जा संबंधों के लिए तैयार है, जिनमें सभी पक्षों को समान लाभ मिले और जो पूरी तरह व्यावसायिक व पारदर्शी समझौतों के आधार पर हों। इससे पहले भी डेल्सी रोड्रिगेज अमेरिका के साथ तेल व्यापार खोलने के वेनेजुएला के फैसले का बचाव कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि अमेरिका की ओर से निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने की कोशिशों के चलते दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आई, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका के साथ व्यापार करना न तो असामान्य है और न ही कोई गलत बात।

सचिन पायलट को राजस्थान भेजेगी कांग्रेस, 2028 के लिए CM फेस बनाएगी?

नई दिल्ली। दिल्ली के सियासी गलियारों में इन दिनों चर्चा है कि कांग्रेस पार्टी सचिन पायलट को दोबारा राजस्थान की कमान सौंप सकती है। कहा जा रहा है कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने पर विचार हो रहा है। इसके साथ ही यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस 2028 में होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनाव में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बना सकती है। यह चर्चा उस समय और तेज हो गई, जब हाल ही में दिल्ली में सचिन पायलट और राहुल गांधी के बीच मुलाकात हुई। इस मुलाकात के पीछे क्या संदेश था और इसके राजनीतिक मायने क्या हैं, आइए समझते हैं।

राहुल गांधी से क्या बोले सचिन पायलट

सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में दिल्ली में राहुल गांधी और सचिन पायलट के बीच एक निजी मुलाकात हुई। इस दौरान सचिन पायलट ने खुलकर राजस्थान लौटने की इच्छा जताई। बताया जा रहा है कि उन्होंने राहुल गांधी से कहा कि अब वे दिल्ली की राजनीति से हटकर अपने गृह राज्य राजस्थान में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं। पायलट ने राजस्थान में संगठन और राजनीति की जिम्मेदारी सौंपे जाने की बात रखी। हालांकि, इस पूरे मामले पर कांग्रेस नेतृत्व की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक फैसला नहीं लिया गया है।

पायलट के लिए अब दोहरी चुनौती

राजस्थान कांग्रेस की राजनीति इस समय कई ध्रुवों में बंटी हुई है। पहले कांग्रेस की सियासत मुख्य रूप से सचिन पायलट और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इर्द-गिर्द घूमती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक और मजबूत चेहरा उभरकर सामने आया है। यह तीसरा नाम है गोविंद सिंह डोटासरा, जो वर्तमान में राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हैं। गहलोत और पायलट दोनों का राज्य में अपना-अपना मजबूत आधार है, वहीं डोटासरा ने अध्यक्ष बनने के बाद संगठन पर अपनी पकड़ मजबूत की है। ऐसे में सचिन पायलट की राजस्थान में वापसी आसान नहीं मानी जा रही, क्योंकि अब उन्हें अशोक गहलोत के साथ-साथ एक नए सियासी मोर्चे का भी सामना करना पड़ सकता है।

11 जनवरी को राजकोट जाएंगे पीएम मोदी, कई कार्यक्रमों में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस 11 से 12 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जो कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के 12 जिलों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। विशेष रूप से इन क्षेत्रों को समर्पित, इस सम्मेलन का उद्देश्य पश्चिमी गुजरात में निवेश और औद्योगिक विकास के लिए नई गति प्रदान करना है। सम्मेलन के मुख्य क्षेत्रों में सिरेमिक, इंजीनियरिंग, पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स, मत्स्य पालन, पेट्रोकेमिकल्स, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, खनिज, ग्रीन एनर्जी इकोसिस्टम, कौशल विकास, स्टार्टअप, एमएसएमई, पर्यटन और संस्कृति शामिल हैं। जापान, दक्षिण कोरिया, रवांडा और यूक्रेन इस सम्मेलन के लिए भागीदार देश होंगे। इसी के तहत पीएम मोदी 11 जनवरी को राजकोट का दौरा करेंगे और कच्छ एवं सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में भाग लेंगे। दोपहर लगभग 1:30 बजे, वह सम्मेलन में ट्रेड शो का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, दोपहर लगभग 2:00 बजे, पीएम राजकोट की मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। वह इस अवसर पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री 14 ग्रीनफील्ड स्मार्ट गुजरात इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीआईडीसी) एस्टेट के विकास की घोषणा करेंगे और राजकोट में जीआईडीसी के मेडिकल डिवाइस पार्क का उद्घाटन करेंगे। वाइब्रेंट गुजरात के सफल मॉडल की पहुंच और प्रभाव को और अधिक बढ़ाने के लिए, पूरे राज्य में चार वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस आयोजित किए जा रहे हैं। उत्तर गुजरात क्षेत्र के लिए रीजनल कॉन्फ्रेंस का पहला संस्करण 9-10 अक्टूबर 2025 को मेहसाणा में आयोजित किया गया था। वर्तमान संस्करण कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद दक्षिण गुजरात (9-10 अप्रैल 2026) और मध्य गुजरात (10-11 जून 2026) क्षेत्रों के लिए रीजनल कॉन्फ्रेंस क्रमशः सूरत और वडोदरा में आयोजित किए जाएंगे। पीएम के विकसित भारत @2047 के विजन के अनुरूप और वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की सफलता और विरासत को आगे बढ़ाते हुए, इन रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना, विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना और वैश्विक जुड़ाव को बढ़ाना है। वाइब्रेंट गुजरात मंच को सीधे क्षेत्रों (रीजन) तक ले जाकर, यह पहल विकेंद्रीकृत विकास, व्यापार करने में सुगमता, इनोवेशन-आधारित विकास और स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने पर प्रधानमंत्री के जोर को भी दर्शाती है। ये रीजनल कॉन्फ्रेंस न केवल क्षेत्रीय उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और नई पहलों की घोषणा करने के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म के रूप में कार्य करेंगे, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को सशक्त बनाकर, नवाचार को बढ़ावा देकर और राज्य के हर हिस्से में रणनीतिक निवेश को सुगम बनाकर गुजरात की विकास गाथा को मिलकर लिखने के साधन के रूप में भी काम करेंगे। इन रीजनल कॉन्फ्रेंस की उपलब्धियों को जनवरी 2027 में आयोजित होने वाले वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के अगले संस्करण के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा।

लालू परिवार को अदालत से बड़ा झटका, जमीन के बदले नौकरी मामले में आरोप तय

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी (लैंड फॉर जॉब) मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस बहुचर्चित मामले में लालू यादव सहित 41 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। सीबीआई की विशेष अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह अहम आदेश पारित किया है। अब इस मामले में विधिवत ट्रायल की प्रक्रिया शुरू होगी और आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य पेश किए जाएंगे। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस केस में आगे सुनवाई के लिए पर्याप्त आधार मौजूद हैं। कोर्ट ने माना कि आरोपों के अनुसार लालू यादव ने अपने रेल मंत्री रहते हुए अपनी पत्नी और बच्चों के लिए अचल संपत्तियां जुटाईं और अन्य आरोपियों ने इस कथित साजिश में उनका साथ दिया। हालांकि, इस मामले में 52 आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया गया है, जबकि 5 आरोपियों की मौत हो चुकी है। सीबीआई का आरोप है कि लालू यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरियों के बदले जमीन ली गई। जांच एजेंसी के अनुसार, नौकरी पाने वाले उम्मीदवारों या उनके परिजनों से जमीन लेकर उसे लालू यादव के परिवार या उनके करीबी लोगों के नाम ट्रांसफर कराया गया। सीबीआई ने अदालत को बताया कि चार्जशीट में कुल 103 आरोपियों के नाम थे, जिनमें से कुछ को राहत मिली है। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव, उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती और बेटे तेजस्वी यादव समेत कई लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। एजेंसी का दावा है कि यह कथित घोटाला वर्ष 2004 से 2009 के बीच हुआ, जब लालू यादव केंद्र में रेल मंत्री थे। यह मामला रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र, जबलपुर जोन से जुड़ा बताया गया है। वहीं, सभी आरोपियों ने सीबीआई के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए सिरे से खारिज किया है। अब अदालत में ट्रायल के दौरान इस पूरे मामले की सच्चाई साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सामने आएगी।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने राजस्थान टेक्सटाइल पॉलिसी की सराहना की, बोले- अन्य राज्य भी ऐसी नीति बनाएं

जयपुर। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने असम के गुवाहटी में राष्ट्रीय कपड़ा मंत्रियों के सम्मेलन में राजस्थान सरकार की टेक्सटाइल पॉलिसी को आदर्श बताते हुए सभी राज्यों को इसी प्रकार अपने टेक्सटाइल उद्योग के विकास और निवेश के लिए रोडमैप तैयार करने की सलाह दी है। कार्यक्रम में उनको राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025 की प्रति दी गई, इसे गौर से पढ़कर इसमें दिलचस्पी दिखाई, सम्बन्धित लोगों से फीडबैक लिया और इस नीति की सराहना की। इस दो-दिवसीय सम्मेलन में देश भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कपड़ा मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी कपड़ा क्षेत्र के भविष्य के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए जुटे हैं। इसमें राजस्थान सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई के नेतृत्व में शामिल हुआ है, जिसमें वरिष्ठ अतिरिक्त आयुक्त एसएस शाह सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं।

वस्त्र मंत्रालय और राजस्थान के बीच एमओयू-

सम्मेलन में केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय ने राजस्थान सहित 15 राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। वस्त्र मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन "वस्त्र केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्ट-अप (टेक्स-आरएएमपीएस)" योजना का हिस्सा हैं। केंद्र सरकार की यह योजना वस्त्र संबंधी सांख्यिकीय उत्पादों और अनुसंधान की व्यापकता, गुणवत्ता, समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार लाने के लिए बनाई गई है। इन समझौता ज्ञापनों के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वस्त्र संबंधी डेटा प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए एक मजबूत परिचालन ढांचा तैयार किया गया है। टेक्स-आरएएमपीएस योजना के तहत, यह पहल क्लस्टर और जिला स्तर पर सीधे प्रयास केंद्रित करके हथकरघा, हस्तशिल्प, परिधान, तकनीकी वस्त्र आदि सहित प्रमुख क्षेत्रों के लिए एकीकृत योजना को बढ़ावा देती है। इन संरचनात्मक सुधारों में सहयोग देने के लिए वस्त्र मंत्रालय प्रत्येक राज्य को प्रतिवर्ष 12 लाख रुपये का वित्तीय अनुदान प्रदान कर रहा है। इसमें प्रत्येक जिले के लिए प्रति वर्ष 1 लाख रुपये का अतिरिक्त अनुदान शामिल है, जिसका वितरण विशिष्ट जिला कार्य योजनाओं के विकास और कार्यान्वयन के आधार पर किया जाएगा।

उद्योग विभाग के लिए गर्व का क्षण- आयुक्त -

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने कहा कि राजस्थान के लिए यह गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय स्तर पर उसकी नीतियों की सराहना की जा रही है और अन्य राज्यों को इस तरह की नीतियां बनाने का सुझाव दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025 सहित कई नई नीतियां लागू की गई हैं, जिनका भविष्य में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025 -

इस पॉलिसी में निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पहली बार गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भी शामिल किया गया है। प्राकृतिक एवं कृत्रिम फाइबर उत्पादन को बढ़ाने से लेकर तकनीकी टेक्सटाइल्स और वस्त्र विनिर्माण, हैण्डलूम, ऊन प्रसंस्करण, चमड़े के उत्पाद, फुटवियर जैसे संबंधित क्षेत्र भी इस नीति का हिस्सा हैं। इस नीति के तहत वस्त्र और परिधान क्षेत्र के उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 10 वर्षों तक 80 करोड़ रूपये वार्षिक तक का एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, भूमि/भवन क्रय या लीज पर स्टांप ड्यूटी व पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, बिजली उपभोग पर 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी छूट का प्रावधान किया गया है। पर्यावरणीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस नीति में ग्रीन सॉल्यूशन इंसेंटिव के तहत 12.5 करोड़ रूपये तक 50 प्रतिशत, अक्षय ऊर्जा संयंत्रों के लिए बैंकिंग, व्हीलिंग व ट्रांसमिशन शुल्क का 100 प्रतिशत, पेटेंट/कॉपीराइट लागत का 50 प्रतिशत एवं भूमि रूपांतरण शुल्क का 100 प्रतिशत पुनर्भरण के प्रावधान किए गए हैं। इसी तरह निर्यात इकाइयों को फ्रेट चार्ज पर 25 प्रतिशत तथा कार्मिक प्रशिक्षण लागत का 50 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान किया गया है।

'किसी दबाव में नहीं बदलेगी भारत की ऊर्जा नीति', ट्रंप के 500% टैरिफ बिल पर भारत का दो टूक जवाब

नई दिल्ली। अमेरिका के प्रस्तावित 500 फीसदी टैरिफ बिल को लेकर भारत ने साफ और कड़ा रुख अपनाया है। भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) ने कहा है कि भारत की ऊर्जा नीति किसी भी दबाव में नहीं बदलेगी। MEA के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत अपने लोगों की ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल, यूरेनियम जैसी वस्तुओं का आयात करने वाले देशों पर 500 फीसदी टैरिफ लगाने वाले बिल को मंजूरी दी है। भारत, चीन और ब्राजील रूस से तेल और यूरेनियम के बड़े आयातक हैं। अगर यह बिल कानून बनता है, तो इन देशों पर भारी टैरिफ लगाया जा सकता है।

'किसी दबाव में नहीं बदलेगी भारत की ऊर्जा नीति'

इस मसले पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "एनर्जी सोर्सिंग के बड़े सवाल पर भारत का रुख पूरी तरह स्पष्ट है। हम ग्लोबल मार्केट के बदलते हालात और अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग स्रोतों से सस्ती ऊर्जा हासिल करने के लिए फैसले लेते हैं।" विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत की ऊर्जा नीति किसी दबाव में नहीं बदलेगी। सरकार का फोकस यही है कि देशवासियों को सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए भारत दुनियाभर के बाजारों पर नजर बनाए हुए है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों को लेकर MEA का बयान

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर भी विदेश मंत्रालय ने चिंता जताई। MEA ने कहा कि चरमपंथी तत्वों द्वारा अल्पसंख्यकों, उनके घरों और व्यवसायों पर बार-बार हमले किए जा रहे हैं। ऐसे सांप्रदायिक मामलों से तेजी और सख्ती से निपटा जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि इन घटनाओं को निजी दुश्मनी, राजनीतिक मतभेद या बाहरी कारणों से जोड़ने की प्रवृत्ति चिंताजनक है। ऐसी अनदेखी से अपराधियों का हौसला बढ़ता है और अल्पसंख्यकों के बीच डर व असुरक्षा की भावना गहराती है।

ताइवान-चीन तनाव पर भारत की प्रतिक्रिया

ताइवान की सीमा के पास चीन के सैन्य अभ्यासों को लेकर भारत ने कहा कि वह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखे हुए है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत के व्यापारिक, आर्थिक, जन-संपर्क और समुद्री हित इस क्षेत्र से जुड़े हैं, इसलिए यहां शांति और स्थिरता भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। MEA ने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने, एकतरफा कार्रवाई से बचने और बिना धमकी या बल प्रयोग के मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीकों से सुलझाने की अपील की है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

टैरिफ दबाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनी हुई है

टैरिफ के बावजूद भारत की अच्छी विकास दर निश्चित ही सुकून देने वाली खबर है। चालू वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी विकास दर के 7.4 प्रतिशत रहने की संभावना इस बात का संकेत देती है कि वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर ट्रम्प टैरिफ जैसे बाहरी दबावों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था आगे बढ़ने की क्षमता रखती है। बजट से ठीक पहले सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी किए गए प्रथम एडवांस आकलन ने यह साफ कर दिया है कि मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि ऐसे समय में और भी अहम हो जाती है, जब वैश्विक व्यापार माहौल तनावपूर्ण है और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं सुस्ती के दौर से गुजर रही हैं। हालांकि यह भी सच है कि बजट सत्र के दौरान ही नए आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित राष्ट्रीय आय के आंकड़ों की नई श्रृंखला शुरू होने जा रही है। अब तक 2011-12 को आधार वर्ष मानकर जीडीपी के आंकड़े जारी किए जाते थे। आधार वर्ष में बदलाव से आर्थिक आंकड़ों की तस्वीर कुछ हद तक बदल सकती है, क्योंकि उपभोग के पैटर्न, उत्पादन संरचना और सेवाओं के योगदान में बीते एक दशक में बड़ा बदलाव आया है। इसके बावजूद मौजूदा एडवांस आकलन यह भरोसा दिलाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है। ताजा अनुमान के मुताबिक नॉमिनल जीडीपी विकास दर लगभग 8 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे कम मानी जा रही है। नॉमिनल जीडीपी वह होती है जिसमें महंगाई का असर शामिल रहता है, जबकि वास्तविक जीडीपी महंगाई को घटाने के बाद निकाली जाती है। इस लिहाज से नॉमिनल जीडीपी के अपेक्षाकृत कम रहने का एक बड़ा कारण महंगाई में आई नरमी भी है। कम महंगाई आम आदमी के लिए राहत लेकर आती है, भले ही आंकड़ों में नॉमिनल ग्रोथ कुछ कम दिखे। यह स्थिति अर्थव्यवस्था के लिए संतुलन बनाने वाली कही जा सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका घरेलू उपभोग है। जब किसी देश की ग्रोथ मुख्य रूप से घरेलू मांग पर टिकी होती है, तो वह बाहरी झटकों को अपेक्षाकृत बेहतर ढंग से झेल पाता है। यही कारण है कि वैश्विक टैरिफ युद्ध और निर्यात पर दबाव के बावजूद भारत में आर्थिक लचीलापन बना हुआ है। इसके साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, जो लंबे समय से दबाव में था, अब धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ता नजर आ रहा है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और बुनियादी ढांचे में निवेश ने इस क्षेत्र को नई ऊर्जा दी है। उम्मीद की सबसे चमकदार किरण सेवा क्षेत्र से दिखाई देती है, खासकर टेक्नोलॉजी और डिजिटल सेवाओं के मोर्चे पर। नई बहुराष्ट्रीय कंपनियों का भारत की ओर बढ़ता रुझान इस बात का संकेत है कि देश को एक भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है।

वेनेजुएला में अमेरिकी दखल: सत्ता बदलकर पीछे हटना असंभव, ट्रम्प को हस्तक्षेप के बाद व्यवस्था की जिम्मेदारी निभानी होगी

-लीबिया जैसे अनुभव चेताते हैं कि बिना दीर्घकालिक रणनीति विदेशी हस्तक्षेप अराजकता और संकट बढ़ाता है

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई के बाद आगे क्या होगा, इसका साफ़-साफ़ जवाब देना आज आसान नहीं है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अक्सर ऐसा ही होता है—जहां हस्तक्षेप तो तेज़ी से कर दिया जाता है, लेकिन उसके बाद की ज़िम्मेदारियों को लेकर अस्पष्टता बनी रहती है। अमेरिका और खासकर डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों को देखते हुए यह सवाल और भी गंभीर हो जाता है कि क्या किसी देश की सत्ता-संरचना में दखल देकर उससे अलग हो जाना संभव है? इतिहास बताता है कि ऐसा करना न सिर्फ़ अव्यावहारिक है, बल्कि अक्सर तबाही को न्योता देता है। यह सवाल नया नहीं है। 19 मार्च 2011 को नाटो के नेतृत्व में लीबिया के गृहयुद्ध में सैन्य हस्तक्षेप शुरू हुआ था। मक़सद था—मुअम्मर गद्दाफी की तानाशाही से लीबिया को मुक्त कराना। कुछ ही महीनों में गद्दाफी की सत्ता गिर गई और अक्टूबर 2011 में उनकी हत्या कर दी गई। उस समय दुनिया के कई हिस्सों में इसे 'लोकतंत्र की जीत' के तौर पर पेश किया गया। लेकिन असली सवाल यह था कि गद्दाफी के बाद क्या?

तब यह स्पष्ट हो गया था कि ओबामा प्रशासन ने सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया तो संभव बना दी, लेकिन उसके बाद की व्यवस्था को संभालने के लिए ज़मीन पर कोई ठोस रणनीति नहीं थी। विद्रोहियों को सिर्फ़ हवाई समर्थन देकर लीबिया की जमीनी हकीकत को स्थानीय प्रतिस्पर्धी ताक़तों, कबीलों और मिलिशियाओं के हवाले कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि लीबिया एक संगठित राष्ट्र-राज्य बनने के बजाय अलग-अलग सशस्त्र गुटों में बंट गया। आज, पंद्रह साल बाद भी वहां स्थिरता नहीं आ सकी है। यही अनुभव वेनेजुएला के संदर्भ में डर पैदा करता है। वेनेजुएला एक ऐसा देश है, जो लंबे समय से आर्थिक बदहाली, राजनीतिक ध्रुवीकरण और अंतरराष्ट्रीय दबावों से जूझ रहा है। मादुरो सरकार पर भ्रष्टाचार, मानवाधिकार उल्लंघन और चुनावी धांधलियों के गंभीर आरोप हैं। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी खुद को लोकतंत्र और मानवाधिकारों का रक्षक बताकर दखल देने को जायज़ ठहराते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ़ सत्ता परिवर्तन से वेनेजुएला की समस्याएं हल हो जाएंगी?

यह साफ़ कहना ज़रूरी है कि वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कब्ज़े की खुली वकालत करना न तो यथार्थवादी है और न ही नैतिक रूप से आसान। लेकिन यह सवाल उठाना बिल्कुल जायज़ है कि ज़मीन पर ठोस मौजूदगी के बिना अमेरिका वहां के घटनाक्रमों को किस तरह दिशा दे सकता है। क्या सिर्फ़ दबाव, प्रतिबंध और सीमित सैन्य कार्रवाई से ऐसा राजनीतिक संतुलन बनाया जा सकता है, जो अमेरिका के हितों और वेनेजुएला की जनता—दोनों के लिए फायदेमंद हो? डोनाल्ड ट्रम्प की विदेश नीति को अक्सर 'झपटो और निकलो' वाली रणनीति कहा जाता है। यानी त्वरित कार्रवाई, ज़ोरदार बयानबाज़ी और फिर पीछे हट जाना। यह शैली घरेलू राजनीति में शायद कुछ समर्थकों को आकर्षक लगे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। एक प्रेस वार्ता में ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका यह जोखिम नहीं ले सकता कि ज़रूरत पड़ने पर वह वेनेजुएला में अपने फौजी न भेजे। इस बयान ने कई सवाल खड़े कर दिए। क्या इसका मतलब यह है कि इराक और अफ़ग़ानिस्तान के बाद अमेरिका अब एक और बड़ी 'नेशन-बिल्डिंग' परियोजना की ओर बढ़ रहा है? अगर ऐसा है, तो क्या ट्रम्प प्रशासन को इसका अंदाज़ा है कि यह काम कितना जटिल, भयावह और अनिश्चितकालीन हो सकता है? इराक और अफ़ग़ानिस्तान के अनुभव बताते हैं कि किसी देश की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक संरचना को फिर से गढ़ना सिर्फ़ हथियारों के दम पर संभव नहीं होता। इसके लिए वर्षों का धैर्य, संसाधन और स्थानीय समाज की गहरी समझ चाहिए। वेनेजुएला के मामले में तस्वीर और भी उलझी हुई है। यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है कि ट्रम्प प्रशासन वहां शासन कैसे चलाना चाहता है। क्या मादुरो सरकार के बचे-खुचे हिस्सों के साथ कोई गुप्त समझौता किया गया है? क्या मादुरो की शेष टीम के सामने यह अल्टीमेटम रखा जाएगा कि वे सत्ता छोड़ दें और फिर अमेरिका की निगरानी में चुनाव कराए जाएं? या फिर यह उम्मीद की जा रही है कि सत्ता अपने आप किसी 'अनुकूल' नेतृत्व के हाथों में चली जाएगी? यह मानना भोलेपन के सिवा कुछ नहीं होगा कि सत्ता परिवर्तन के बाद वेनेजुएला अचानक स्थिर हो जाएगा। मादुरो सरकार के समर्थकों का एक मजबूत नेटवर्क मौजूद है। इनमें से कई लोग सत्ता, संसाधनों और सुरक्षा बलों से गहराई से जुड़े हुए हैं। इनके बारे में यह कहा जाता रहा है कि वे हिंसक दमन, धमकी और वोट चोरी के ज़रिए सत्ता बनाए रखते हैं। कई विश्लेषक इन्हें गुंडों और नशीले पदार्थों के तस्करों का संगठित गिरोह भी मानते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि मादुरो समर्थकों और विरोधी खेमों के बीच शक्ति-संतुलन कैसे बनेगा? अगर अचानक सत्ता खाली होती है, तो क्या यह टकराव हिंसक गृहयुद्ध में नहीं बदल सकता? क्या अमेरिका इसके लिए तैयार है कि वह सिर्फ़ सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि उसके बाद की अराजकता को भी संभाले?

इतिहास बताता है कि कुछ देश ऐसे होते हैं, जहां नेतृत्व बदलते ही पूरी व्यवस्था ढह जाती है। यमन का उदाहरण अक्सर दिया जाता है। वहां मजबूत पड़ोसी देशों और समुद्री मार्गों के कारण किसी हद तक संतुलन बना रहा, भले ही हालात बेहद खराब हों। लेकिन सीरिया जैसे देश बशर अल-असद के संभावित पतन की आशंका मात्र से ही बिखराव की स्थिति में चले गए। वहां गृहयुद्ध ने शरणार्थियों, नशीले पदार्थों और अस्थिरता को पूरे क्षेत्र में फैला दिया। वेनेजुएला भी इसी तरह के खतरे के मुहाने पर खड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी मामलों के उच्चायुक्त के अनुसार, पहले ही लगभग 80 लाख वेनेजुएलावासी अपना देश छोड़ चुके हैं। यह दुनिया के सबसे बड़े विस्थापन संकटों में से एक है। इनमें से अधिकांश लोग अन्य लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों की ओर गए हैं। नतीजतन, पूरे क्षेत्र पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दबाव बढ़ गया है। अगर वेनेजुएला में हालात और बिगड़ते हैं, तो यह प्रवासन और तेज़ हो सकता है। इससे न सिर्फ़ पड़ोसी देशों की स्थिरता खतरे में पड़ेगी, बल्कि अमेरिका की सीमाओं पर भी दबाव बढ़ेगा। ऐसे में यह सोचना कि वेनेजुएला की समस्या सिर्फ़ एक 'स्थानीय' संकट है, सरासर ग़लत होगा।

यहीं पर अमेरिकी जिम्मेदारी का सवाल सामने आता है। अगर अमेरिका किसी देश में दखल देता है—चाहे वह आर्थिक प्रतिबंधों के ज़रिए हो, कूटनीतिक दबाव से हो या सैन्य कार्रवाई के ज़रिए—तो वह यह कहकर मुंह नहीं फेर सकता कि आगे की जिम्मेदारी उसकी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी आती है। वेनेजुएला के संदर्भ में इसका मतलब है कि अमेरिका को सिर्फ़ मादुरो सरकार को हटाने की रणनीति नहीं बनानी चाहिए, बल्कि उसके बाद की राजनीतिक संरचना, आर्थिक पुनर्निर्माण और सामाजिक मेल-मिलाप की भी ठोस योजना होनी चाहिए। इसमें अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, क्षेत्रीय संगठनों और खुद वेनेजुएला के नागरिक समाज की भूमिका बेहद अहम होगी। केवल सैन्य ताक़त के सहारे स्थिरता नहीं लाई जा सकती। ज़रूरत है समावेशी राजनीति की, जहां अलग-अलग धड़ों को अपनी बात रखने और सत्ता में हिस्सेदारी का अवसर मिले। ज़रूरत है आर्थिक मदद की, ताकि तेल-निर्भर अर्थव्यवस्था को विविध और टिकाऊ बनाया जा सके। और सबसे ज़रूरी है—स्थानीय लोगों का भरोसा, जो बाहरी हस्तक्षेप से अक्सर टूट जाता है। डोनाल्ड ट्रम्प की राजनीति अक्सर तात्कालिक लाभ और घरेलू समर्थन पर केंद्रित रही है। लेकिन वेनेजुएला जैसा संकट तात्कालिक नहीं है। यह वर्षों, शायद दशकों तक चलने वाला मामला है। अगर अमेरिका बिना पूरी तैयारी और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के इसमें कूदता है, तो यह न सिर्फ़ वेनेजुएला के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र और खुद अमेरिका के लिए भी भारी पड़ सकता है।

बस ड्राइवर से राष्ट्रपति तक निकोलस मादुरो का सफर मजदूर राजनीति चावेज विरासत और सत्ता संघर्ष की कहानी लैटिन अमेरिका

-भाषण कला संगीत सोशल मीडिया और विवादों के बीच वेनेजुएला के प्रभावशाली नेता की प्रोफाइल

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अक्सर 'मजदूर राष्ट्रपति' कहा जाता है। एक मामूली बस ड्राइवर और ट्रेड यूनियन नेता से लेकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचने का उनका सफर लैटिन अमेरिकी राजनीति में एक अनोखा उदाहरण है। यह कहानी सिर्फ सत्ता तक पहुंचने की नहीं, बल्कि विचारधारा, संघर्ष, भाषण कला, संगीत, सोशल मीडिया और विवादों से भरे एक नेता के जीवन की है।

चावेज की विरासत और 2013 का चुनाव

साल 2013 वेनेजुएला के लिए एक निर्णायक मोड़ था। तत्कालीन राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज का निधन हो चुका था और देश भावनात्मक उथल पुथल के दौर से गुजर रहा था। चावेज सिर्फ एक राष्ट्रपति नहीं थे, बल्कि वेनेजुएला की राजनीति में एक प्रतीक थे। ऐसे में उनके उत्तराधिकारी का चयन आसान नहीं था। चावेज के सबसे भरोसेमंद साथियों में शामिल निकोलस मादुरो चुनावी मैदान में उतरे। एक रैली में उन्होंने कहा — "मैं चावेज नहीं हूं, लेकिन उनका बेटा हूं"। यह वाक्य आम लोगों के दिलों तक पहुंच गया। चावेज के समर्थकों ने इसे भावनात्मक उत्तराधिकार के रूप में देखा। नतीजा यह हुआ कि बेहद कड़े मुकाबले में मादुरो राष्ट्रपति चुने गए। यह जीत सिर्फ चुनावी नहीं थी, बल्कि यह उस राजनीतिक धारा की जीत थी, जिसे चावेज ने खड़ा किया था और जिसे मादुरो आगे बढ़ाने का दावा कर रहे थे।

बस ड्राइवर से राष्ट्रपति तक का सफर

निकोलस मादुरो का जीवन किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। उन्होंने राजनीति की शुरुआत किसी बड़े परिवार या रसूख के दम पर नहीं की। वे बस ड्राइवर रहे, फिर ट्रेड यूनियन लीडर बने और धीरे धीरे सत्ता के गलियारों तक पहुंचे। यही वजह है कि उनके समर्थक उन्हें 'आम आदमी का राष्ट्रपति' कहते हैं। वे खुद को मजदूर वर्ग का प्रतिनिधि मानते हैं और अक्सर अपने भाषणों में इस बात को दोहराते हैं कि वे सत्ता के गलियारों से नहीं, सड़कों से आए हैं। लैटिन अमेरिका में यह सफर इसलिए भी खास माना जाता है क्योंकि यहां राजनीति अक्सर सेना, बड़े ज़मींदारों या अभिजात वर्ग के हाथों में रही है। ऐसे में मादुरो का उभार 'असंभव को संभव' करने जैसा माना गया।

भाषण कला और 'कादेना' का जादू

मादुरो की सबसे बड़ी ताकत उनकी भाषण कला मानी जाती है। कहा जाता है कि वे जब बोलना शुरू करते हैं, तो लोग घंटों तक टीवी से नजरें नहीं हटाते। वेनेजुएला में देर रात तक अगर लोग टीवी देख रहे होते, तो आम तौर पर समझ लिया जाता था कि मादुरो का भाषण चल रहा है। इन लाइव प्रसारणों को 'कादेना' कहा जाता है। कई बार ये कार्यक्रम घंटों तक चलते थे। समर्थकों के लिए यह प्रेरणा का स्रोत था, जबकि आलोचकों के लिए यह सत्ता का दुरुपयोग। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि मादुरो जनता से सीधे संवाद बनाने में माहिर हैं।

संगीत, खेल और युवा मादुरो

राजनीति के अलावा मादुरो का एक अलग ही व्यक्तित्व भी रहा है। वे साल्सा और रॉक म्यूजिक के शौकीन हैं। किशोरावस्था में वे 'एनिग्मा' नाम के एक बैंड में बेस गिटार बजाते थे। यही नहीं, वे युवावस्था में बेसबॉल के अच्छे खिलाड़ी भी रहे। एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें एक बार मेजर लीग बेसबॉल (MLB) के स्कॉउट ने कॉन्ट्रैक्ट की पेशकश की थी। हालांकि राजनीति में गहरी रुचि के चलते उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। यह पहलू मादुरो को पारंपरिक राजनेताओं से अलग बनाता है। संगीत और खेल ने उनके व्यक्तित्व में एक मानवीय रंग भरा, जिसे वे आज भी युवाओं से जुड़ने के लिए इस्तेमाल करते हैं।

टिकटॉक और सोशल मीडिया की राजनीति

आज के दौर में राजनीति सिर्फ रैलियों और संसद तक सीमित नहीं रही। मादुरो इस बदलाव को अच्छी तरह समझते हैं। वे सोशल मीडिया, खासकर टिकटॉक, पर काफी सक्रिय रहते हैं। वे अपने वीडियो शेयर कर सीधे युवाओं से संवाद करते हैं। कभी हल्के फुल्के अंदाज में, तो कभी राजनीतिक संदेशों के साथ। उनका मानना है कि नई पीढ़ी तक पहुंचने के लिए नए प्लेटफॉर्म जरूरी हैं। आलोचक इसे पॉपुलिज़्म कहते हैं, लेकिन समर्थकों का दावा है कि मादुरो डिजिटल दौर के नेता हैं, जो जनता की नब्ज पहचानते हैं।

परिवार और शुरुआती जीवन

निकोलस मादुरो का जन्म 23 नवंबर 1962 को वेनेजुएला की राजधानी काराकास में हुआ। उनके पिता निकोलस मादुरो गार्सिया एक प्रमुख ट्रेड यूनियन नेता थे। मां एक गृहिणी थीं। कहा जाता है कि किशोरावस्था में मादुरो अपने पिता के साथ यूनियन बैठकों में जाते थे। वहां मजदूरों के अधिकार, सत्ता और शोषण पर होने वाली बहसों ने उनके सोचने का तरीका गढ़ा। यही अनुभव आगे चलकर उनके राजनीतिक झुकाव की नींव बना। उनकी शिक्षा औपचारिक रूप से ज्यादा आगे नहीं बढ़ी। वे हाईस्कूल ड्रॉपआउट रहे, लेकिन राजनीति की पाठशाला उन्होंने सड़कों और यूनियनों में सीखी।

सिलिया फ्लोरेस: जीवनसाथी और रणनीतिक दिमाग

मादुरो की जिंदगी और राजनीति में उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की अहम भूमिका रही है। सिलिया एक प्रभावशाली वकील और राजनेता हैं। वे वेनेजुएला की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। दोनों की मुलाकात राजनीतिक सक्रियता के दौरान हुई। सिलिया उस कानूनी टीम का नेतृत्व कर चुकी हैं, जिसने 1992 के असफल तख्तापलट के बाद ह्यूगो चावेज को जेल से बाहर निकलवाया था। वेनेजुएला में सिलिया को 'फर्स्ट कॉम्बैटेंट' यानी 'पहली लड़ाकू' कहा जाता है। कहा जाता है कि मादुरो की कई राजनीतिक रणनीतियों के पीछे सिलिया का दिमाग काम करता है।

सत्ता, विवाद और जानलेवा हमले

मादुरो का राष्ट्रपति काल विवादों से अछूता नहीं रहा। आर्थिक संकट, महंगाई, राजनीतिक विरोध और अंतरराष्ट्रीय दबाव उनके शासन के स्थायी पहलू बन गए।

इन सबके बीच उनकी जान पर भी कई बार खतरा आया। 2018 से 2024 के बीच उन पर तीन बार जानलेवा हमले की कोशिश हुई। इनमें विस्फोटक लदे ड्रोन से लेकर भाड़े के शूटर तक शामिल थे। सरकार ने इन हमलों के लिए विदेशी साजिशों और विपक्षी ताकतों को जिम्मेदार ठहराया, जबकि आलोचकों ने सुरक्षा व्यवस्था और राजनीतिक माहौल पर सवाल उठाए।

करियर की प्रमुख पड़ाव

मादुरो का राजनीतिक करियर धीरे धीरे आगे बढ़ा: 21 साल की उम्र में वे वामपंथी नेता जोस विसेंटे रेंगल के बॉडीगार्ड बने। इसके बाद उन्होंने बस चलाना शुरू किया। फिर ट्रेड यूनियन लीडर के रूप में उभरे।

अदालतों के दरवाजे न्याय के लिए हमेशा खुले रहें यह सुनिश्चित करने को जरूरी व्यापक न्यायिक सुधार आज समयबद्ध व्यवस्था

-लंबी बहस समयसीमा सीमित फैसले और संस्थागत अनुशासन से घटेगा मुकदमों का बोझ जनता भरोसा

नए साल की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत का यह वक्तव्य कि "जिस तरह मेडिकल इमरजेंसी में इलाज के लिए दरवाज़े खुले रहते हैं, उसी तरह अदालतों के दरवाज़े भी न्याय के लिए हमेशा खुले रहने चाहिए"—भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए एक ताक़तवर संदेश है। यह कथन केवल भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि वर्षों से जमी समस्याओं की ओर इशारा करता है। अदालतों तक आम आदमी की सहज पहुँच, समयबद्ध सुनवाई, और न्याय की विश्वसनीयता—इन तीनों के बिना लोकतंत्र का संतुलन डगमगा जाता है। आज न्यायपालिका पर मुकदमों का बोझ अभूतपूर्व है। लंबी बहसें, जटिल और अत्यधिक विस्तृत फैसले, और सुनवाई की अनिश्चित समय-सीमाएँ—इन सबने मिलकर न्याय को धीमा किया है। यह विडंबना है कि जहाँ न्याय का अर्थ त्वरित और निष्पक्ष निर्णय होना चाहिए, वहीं प्रक्रियागत जटिलताएँ उसे आम नागरिक की पहुँच से दूर कर देती हैं। ऐसे में बहस की समय-सीमा तय करना और संक्षिप्त नोट्स की अनिवार्यता जैसे सुधार, न्याय को गति देने की दिशा में व्यावहारिक कदम हैं।

लंबी बहसों का असमान खेल

व्यवहार में यह देखा गया है कि ताक़तवर पक्ष महंगे और बड़े वकीलों के दम पर प्रतिकूल मामलों में लंबी, पेचीदा बहसें करते हैं, जबकि अनुकूल मामलों में त्वरित सुनवाई पर ज़ोर देते हैं। यह असमान खेल न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। जब बहसें अनियंत्रित होती हैं, तो अदालत का समय कुछ गिने-चुने मामलों में खप जाता है और हज़ारों मुकदमे कतार में खड़े रह जाते हैं। इसका सीधा असर उन नागरिकों पर पड़ता है जिनके पास न संसाधन हैं, न धैर्य कि वे वर्षों तक न्याय का इंतज़ार करें। इसी असमानता को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के नए आदेश में नियमित मामलों में वकीलों की बहस के लिए समय-सीमा तय करने की बात कही गई है। यह कोई नया विचार नहीं है। विधि आयोग ने 2009 में अपनी 230वीं रिपोर्ट में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की थी। आयोग का स्पष्ट मत था कि न्यायिक समय का अनुशासित उपयोग ही लंबित मामलों के पहाड़ को कम कर सकता है।

लंबित मामलों की भयावह तस्वीर

आंकड़े चिंताजनक हैं। 2009 में देश में लगभग 2.74 करोड़ मामले लंबित थे। आज यह संख्या दोगुनी से भी अधिक हो चुकी है। यह केवल संख्या का संकट नहीं, बल्कि भरोसे का संकट है। जब न्याय में देरी होती है, तो न्याय का अर्थ ही बदल जाता है। 'देरी से मिला न्याय' अक्सर 'न्याय से वंचित' होने के बराबर होता है। विधि आयोग, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज करते रहे हैं, ने साफ कहा था कि जजों को अपना पूरा समय न्यायिक कार्यों में लगाना चाहिए। मगर हकीकत यह है कि न्यायपालिका भी व्यापक प्रशासनिक शिथिलता के असर से अछूती नहीं रही। लम्बित मामलों के बढ़ते आंकड़े इस 'मर्ज़' के बदतर होने की गवाही देते हैं।

अन्य संस्थानों का उदाहरण और न्यायपालिका

यह समस्या केवल अदालतों तक सीमित नहीं है। संसद और विधानसभाओं में हुल्लड़बाज़ी हो तो कानून निर्माण की प्रक्रिया कमजोर होती है। नौकरशाही का समय अगर मीटिंगों और रिपोर्टों में ही बीत जाए, तो प्रशासन शिथिल पड़ जाता है। शिक्षकों की ड्यूटी यदि वोटर लिस्ट दुरुस्त करने, मिड-डे मील बनाने या अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में लग जाए, तो बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। पुलिस का समय वीआईपी ड्यूटी, अदालतों में हाजिरी और काग़ज़ी औपचारिकताओं में नष्ट हो, तो अपराध बढ़ते हैं और जांच में देरी होती है। ठीक इसी तरह, वकीलों की अनियंत्रित बहसें और जजों के अत्यधिक लंबे फैसले भी मुकदमों के बोझ को बढ़ाते हैं। यह किसी एक वर्ग की नीयत पर सवाल नहीं, बल्कि व्यवस्था की बनावट पर प्रश्न है। जब संस्थागत अनुशासन कमजोर होता है, तो सबसे पहले आम नागरिक को कीमत चुकानी पड़ती है।

रिपोर्टें, सुधार और अमल की कमी

भारत में विधि आयोग और प्रशासनिक सुधार आयोगों की अनेक रिपोर्टें धूल खा रही हैं। इन रिपोर्टों में ठोस सुझाव हैं—केस मैनेजमेंट, समय-सीमा, टेक्नोलॉजी का उपयोग, और वैकल्पिक विवाद निवारण जैसी व्यवस्थाएँ। लेकिन अमल के बजाय अक्सर सतही चिंतन और भाषणों का चलन बढ़ा है। नतीजा यह कि जनता का सिस्टम पर भरोसा डगमगाता है। न्यायिक सुधारों में राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सहयोग और न्यायपालिका की आत्म-समीक्षा—तीनों का संतुलन ज़रूरी है। केवल कानून बना देने से या सर्कुलर जारी कर देने से बदलाव नहीं आता, जब तक ज़मीनी स्तर पर व्यावहारिक अमल न हो।

मैकाले की विरासत और अनुशासित न्याय

भारत में शिक्षा और कानून निर्माण में मैकाले की बड़ी भूमिका रही है। उनकी साम्राज्यवादी विरासत की आलोचना आज भी होती है, लेकिन विधि आयोग ने एक संदर्भ में उनके कथन को दोहराया था कि अनुशासित और सुनिश्चित परिणामों वाली न्यायिक व्यवस्था से ही सही और जल्द न्याय मिल सकता है। यह विचार आज भी प्रासंगिक है—हालाँकि इसे भारतीय संदर्भ और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप ढालने की ज़रूरत है। अमेरिका जैसे देशों में बहस की समय-सीमा सख़्ती से लागू होती है। वहाँ प्रत्येक पक्ष के वकील को बहस के लिए अधिकतम समय तय होता है—कई मामलों में यह डेढ़ घंटे से अधिक नहीं होता। तीन साल पहले सुप्रीम कोर्ट के जज संजय किशन कौल ने भी कहा था कि दुनिया के किसी भी प्रगतिशील देश में वकीलों को असीमित बहस की इजाज़त नहीं मिलती। यह बात हमारे लिए आईना है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पहल

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पहल इसी दिशा में एक ठोस कदम है। उनके अनुसार नियमित मामलों की सुनवाई से पहले अधिकतम पाँच पेज का संक्षिप्त नोट और बहस की समय-सीमा पहले से सूचित करना ज़रूरी है। इससे न केवल सुनवाई व्यवस्थित होगी, बल्कि जजों को भी मुद्दों की स्पष्ट समझ मिलेगी और फैसले अधिक केंद्रित होंगे। हालाँकि, व्यावहारिक स्तर पर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई के दौरान जब वकीलों ने बहस की समय-सीमा तय करने की बात उठाई, तो तीन जजों की पीठ ने उसे नकार दिया।

विगत दो वर्षों में बुनियादी ढांचे में हुआ बड़ा सुधार गांव-ढाणी तक मिल रहा गुणवत्तापूर्ण इलाज - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और संवेदना से जुड़ा क्षेत्र है। विगत दो वर्षों में राज्य सरकार ने अपने बजट में स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आगे भी स्वास्थ्य के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया है। इससे गांव-ढाणी तक प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क उपचार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और राजस्थान स्वास्थ्य में सिरमौर बने। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार 'पहला सुख निरोगी काया' अर्थात् स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा सुख होता है। इसी अवधारणा के साथ प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया गया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत औषधियां, सर्जिकल एवं सूचर्स उपलब्ध करवाने में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। जिला चिकित्सालयों में बुजुर्गों के लिए रामाश्रय वार्ड खोले हैं, जहां उन्हें सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

चिकित्सा सेवा का क्षेत्र, दायित्वों को निष्ठा और ईमानदारी से निभाए स्वास्थ्यकर्मी

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा सेवा का क्षेत्र है। हर रोगी को संवेदनशीलता के साथ अच्छा उपचार मिले और जीवन रक्षा का उद्देश्य फलीभूत हो। यही इस क्षेत्र की महानता है। चिकित्सकों एवं इस क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी को चाहिए कि वे अपने दायित्वों को निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाए। राज्य सरकार ऐसे सेवाभावी कार्मिकों के सम्मान में कोई कमी नहीं रखेगी। लेकिन जनता के पैसे का दुरूपयोग करने वाले एवं स्वास्थ्य योजनाओं में

अनियमितता करने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि प्रदेश को प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं और 15 नवीन मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। साथ ही, भीलवाड़ा, धौलपुर, प्रतापगढ़, नाथद्वारा एवं बूंदी में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की गई है। हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिले। इस दिशा में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

8 हजार 700 चिकित्सा संस्थान आयुष्मान आरोग्य मंदिर में परिवर्तित

मुख्यमंत्री ने कहा कि निचले स्तर तक चिकित्सा सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। विगत दो वर्षों में 7 उप जिला अस्पताल, 2 सैटेलाइट अस्पताल, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कुल 14 संस्थानों का जिला चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन तथा 7 नवीन सैटेलाइट अस्पतालों की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि 129 उप स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में क्रमोन्नयन किया है। करीब 8 हजार 700 चिकित्सा संस्थानों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में परिवर्तित किया गया एवं 412 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित किए गए। उन्होंने कहा कि बालोतरा में नवीन जिला आयुर्वेद चिकित्सालय और ब्यावर, दूदू, डीग, डीडवाना-कुचामन और अनूपगढ़ में जिला आयुष चिकित्सालय शुरू किए गए हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बैठक में उपस्थित प्रतिभागियों के सुझावों को गंभीरता के साथ सुना। उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझावों को आगामी बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी एवं आईएलबीएस हॉस्पिटल, नारायणा हृदयालय ग्रुप, महावीर विकलांग सेवा समिति, इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन, यूनीसेफ, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, आईएमए राजस्थान, एसएमएस मेडिकल कॉलेज एवं आरयूएचएस के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से जुड़े संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सरकार द्वारा समयबद्ध एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करते हुए सरकारी क्षेत्र में 4 लाख तथा निजी क्षेत्र में 6 लाख सहित कुल 10 लाख रोजगार सृजित करने के संकल्प पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में उद्योग–आईटीआई के बेहतर समन्वय, संस्थान प्रबंधन समितियों (IMC) एवं आईटीआई के सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के अधिक से अधिक आईटीआई को उद्योगों से जोड़ा जाए, जिससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ उद्योगों की व्यावहारिक समझ भी प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों के नवाचारों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाया जाए तथा प्रदेश के आईटीआई को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप मंक विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। इस अवसर पर उन्होंने झालावाड़ आईटीआई को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए अन्य आईटीआई को भी इसी प्रकार कार्य कर शिक्षा के स्तर में निरंतर सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव ने संस्थान प्रबंधन समितियों को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े आईटीआई अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों में संचालित ट्रेड्स तथा प्रस्तावित नए ट्रेड्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी आईटीआई के दीक्षांत समारोह की जानकारी साझा कर उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रसारित करने के निर्देश दिए। बैठक में संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग, भवानी सिंह देथा, प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास, पी. रमेश शासन सचिव श्रम विभाग, श्रीमती टीना सोनी शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग, रिशव मंडल, आयुक्त कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रदेश के विभिन्न जिलों के आईटीआई प्राचार्य एवं अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

अब छात्रावास में ही पढ़ सकेंगी छात्राएं, शुरू हुआ 'विदुषी ज्ञानालय'

-राजकीय अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास में 'विदुषी ज्ञानालय' का शुभारम्भ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक समुदाय की छात्राओं में अध्ययन संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, जयपुर की ओर से राजकीय अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास, मानसरोवर में पुस्तकालय 'विदुषी ज्ञानालय' का शुभारम्भ किया गया। यह पुस्तकालय सर्वधर्म विदुषियों को समर्पित है और छात्राओं के बौद्धिक, नैतिक और शैक्षणिक विकास को ध्यान में रखकर स्थापित किया गया है। यह ज्ञानालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध की प्रेरणा से सामाजिक संगठन जनता सेवा संघ के सहयोग से स्थापित किया गया। इस पुस्तकालय के शुभारम्भ की विशेष बात यह रही कि पुस्तकालय का उद्घाटन छात्रावास की सभी विदुषी छात्राओं द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। इस अवसर पर अभिषेक सिद्ध ने कहा कि "न वित्तेन अमृतत्वं लभ्यते, ज्ञानात् तु अमृतत्वं लभ्यते" यानी अमरत्व धन से नहीं, बल्कि ज्ञान से प्राप्त होता है। यही विचार इस ज्ञानालय की मूल भावना है। अभिषेक सिद्ध इससे पहले भी मदरसा शिक्षा और अल्पसंख्यक छात्रा छात्राओं के कल्याण से जुड़ी कई नवाचारी पहलों के लिए जाने जाते रहे हैं। 'विदुषी ज्ञानालय' को भी उनके ऐसे ही एक और दूरदर्शी प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इस ज्ञानालय का अवलोकन मातादीन मीणा, निदेशक एवं सुशील कुमार, उप निदेशक अल्पसंख्यक मामलात विभाग द्वारा किया गया। निदेशक मातादीन मीणा ने छात्राओं कों मोटिवेट करतें हुए इस पुस्तकालय में अच्छे से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं कों विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के लिए भी कहा। उपनिदेशक सुशील कुमार ने कहा कि यह 'विदुषी ज्ञानालय' छात्राओं को अध्ययन, शोध और आत्मविकास के लिए एक सकारात्मक वातावरण प्रदान करेगा। विदुषी ज्ञानालय कों लेकर छात्राओं का कहना हैं कि अब हमें पुस्तकालय के लिए छात्रावास से बाहर जाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। अब छात्रावास में ही अच्छे से पढ़ाई कर पाएंगे। इस अवसर पर कार्यालय से कार्यक्रम अधिकारी स्नेहा महरिया, डॉ. गफ्फार अली, हरेंद्र, सौरभ, पिंकी, योगेश, सीमा, शबनम, छात्रावास अधिक्षिका रेखा मीणा, प्रियंका वैष्णव एवं विभिन्न शिक्षा अनुदेशक आदि उपस्थित रहें।

राजस्थान में डिजिटल हेल्थ और एआई के क्रियान्वयन पर क्षेत्रीय राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आईआईएचएमआर (IIHMR) स्टार्टअप्स, जयपुर द्वारा गुरुवार को 'राजस्थान डिजिटल हेल्थ रिसर्च एवं एआई कार्यान्वयन रणनीति' विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), राजस्थान के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने की। सम्मेलन में सरकार, शिक्षा जगत, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग तथा सिविल सोसाइटी के विषय विशेषज्ञों evam start up companyo ने शिरकत की। परामर्श बैठक में चर्चाओं के माध्यम से राज्य की स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया। कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने डिजिटल हेल्थ और एआई (AI) पहलों को राजस्थान की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के साथ जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने जमीनी स्तर की चुनौतियों और कार्यान्वयन की वास्तविकताओं को साझा करते हुए कहा कि तकनीकी नवाचारों को सिस्टम की तैयारियों और नैतिक मापदंडों के साथ संरेखित करना अनिवार्य है। डॉ. यादव ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में कौशल उन्नयन सके लिए सरकारी सहयोग के अवसरों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र के दौरान डॉ. बी. लाल क्लीनिकल लेबोरेटरी के सीटीओ अविनाश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के सीमित प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने डेटा की खराब गुणवत्ता, मानकीकरण की कमी और एकीकरण की चुनौतियों को एआई अपनाने के मार्ग में मुख्य बाधा बताया। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष एवं आईआईएचएमआर फाउंडेशन के निदेशक डॉ. पी. आर. सोडानी ने कहा कि जिम्मेदार एआई के लिए मजबूत शासन ढांचे की आवश्यकता है। उन्होंने शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों की भूमिका को रेखांकित किया। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों का संचालन आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ फैकल्टी सदस्यों डॉ. स्वप्निल गढ़वे, डॉ. पियूषा मजूमदार, डॉ. रितु वशिष्ठ, डॉ. विनोद कुमार एस. वी. तथा डॉ. काजल सितलानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल समन्वय में आईआईएचएमआर स्टार्टअप्स टीम के अभिषेक गुप्ता, कुशल पारेख और शिवम वर्मा का विशेष योगदान रहा।

गलतागेट थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, शिकारी गैंग का पर्दाफाश

जयपुर । जयपुर के थाना गलतागेट पुलिस ने चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले शिकारी गैंग के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने ई-रिक्शा में बैठी महिलाओं को बातों में उलझाकर उनके गले से मंगलसूत्र चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर घटना के महज 12 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया।

ई-रिक्शा में बैठी महिला से मंगलसूत्र चोरी का मामला

घटना 6 जनवरी 2026 की है। परिवादिया गुड् कंवर निवासी जवाहर नगर जयपुर ने थाना गलतागेट में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी सास के साथ गलतागेट चौराहा मंदिर के पास से बैटरी रिक्शा में बैठी थीं। उनके साथ तीन अन्य महिलाएं भी सवार थीं, जिनमें दो महिलाएं साड़ी पहने हुए थीं और एक 15–16 साल की लड़की सलवार सूट में थी। रास्ते में खोले के हनुमानजी के पास उन्हें महसूस हुआ कि गले में पहना मंगलसूत्र कट गया है। इसी दौरान संदिग्ध महिलाएं जल्दबाजी में रिक्शा से उतरकर फरार हो गईं।

मुल्जिमा गिरफ्तार, मंगलसूत्र बरामद

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने शिकारी गैंग का पर्दाफाश करते हुए शिवानी शिकारी नामक युवती को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से सोने जैसी धातु का चोरी किया गया मंगलसूत्र बरामद किया गया है। उसकी साथी मीशी शीला की तलाश जारी है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना गलतागेट की गठित टीम ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस का कहना है कि यह गैंग ई-रिक्शा में बैठकर महिलाओं को बातचीत में उलझाकर गले के आभूषण चोरी करती थी। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

पटवार सीधी भर्ती परीक्षा : दिव्यांगजन व स्पोर्ट्स श्रेणी के अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन का कार्यक्रम 15 से 17 जनवरी तक

जयपुर । पटवार सीधी भर्ती परीक्षा 2025 में सफल रहे अभ्यर्थियों के लिये दस्तायवेज सत्यापन के तहत स्पोर्ट्स पर्सन एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 15 से 17 जनवरी तक विशेष शिविर का आयोजन अजमेर में बोर्ड कार्यालय में किया जायेगा।

राजस्व मंडल उप निबंधक (भू राजस्व) रविन्द्र कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत गैर अनुसूचित क्षेत्र के 350 एवं अनुसूचित क्षेत्र के 45 सहित कुल 395 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच का कार्य किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उक्त तिथियों में प्रतिदिन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक दस्तावेज सत्यापन हेतु अभ्यर्थी उपस्थित हो सकेंगे। प्रत्येक तिथिवार उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों की रोल नंबरवाइज सूचना राजस्व मंडल की वेबसाइट landrevenue.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। दिव्यांगजन पात्रता जांच में केवल मेडिकल सर्टिफिकेट के आधार पर ओएल (वन लेग) (लोअर लिंब) की श्रेणी के दिव्यांग अभ्यर्थियों को ही पात्र माना जायेगा।

प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों का प्रभावशाली प्रदर्शन

-प्रलय ड्रोन से 4 किमी की दूरी से दुश्मन पर किया जा सकता है प्रहार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में चार दिवसीय 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में भारतीय सेना के आधुनिक उपकरणों, अत्याधुनिक हथियारों एवं तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया है। साथ ही, भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और बलिदान की अनेक प्रेरक गाथाओं को भी दर्शाया गया है। आज जब देशवासी अपने घरों में सुरक्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं, तब हमारी सीमाओं पर वीर जवान हर क्षण तिरंगे की रक्षा में तत्पर रहते हैं। यह प्रदर्शनी आमजन को सेना के समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना से रूबरू कराने का सशक्त माध्यम बन रही है।

शौर्य और बलिदान की अमर गाथाएं—

भारतीय सेना का इतिहास वीरता, साहस और सर्वोच्च बलिदान की गौरवशाली परंपरा से समृद्ध है। वर्ष 1947 से लेकर आज तक प्रत्येक युद्ध और प्रत्येक सैन्य अभियान में भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय साहस और पराक्रम का परिचय दिया है।

आधुनिक तकनीक और अनुशासन का संगम—

आज भारतीय सेना आधुनिक हथियारों, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण से सुसज्जित है। किंतु इन सभी उपलब्धियों से ऊपर उसका अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा है, जो उसे विश्व की श्रेष्ठ सेनाओं में विशिष्ट स्थान दिलाती है।

प्रलय ड्रोन से 4 किलोमीटर दूर से सटीक प्रहार संभव—

प्रदर्शनी में प्रदर्शित प्रलय ड्रोन 2 किलोग्राम की पेलोड क्षमता के साथ 30 से 40 मिनट की उड़ान अवधि में अधिकतम 4 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है। यह ड्रोन अधिकतम 300 मीटर की ऊँचाई पर उड़ान भरते हुए लक्ष्य पर सटीक प्रहार कर सकता है, जो भारतीय सेना की उन्नत तकनीकी क्षमता का सशक्त उदाहरण है।

अवैध निर्माण पर निगम की बडी कारवाई

-किशनपोल जोन में दो अवैध निर्माणों को किया सीज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। किशनपोल जोन में अवैध निर्माण पर सख्त कारवाई की गई। उपायुक्त विजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में राजस्व अधिकारी सुनिल कुमार एवं अन्य द्वारा अवैध निर्माण की शिकायत पर कारवाई करते हुए सीज की कारवाई की। जिसके अन्तर्गत मकान नं. 1980 ठाकुर पचेवर का रास्ता जौहरी बाजार, दुकान नं. 79-80 के ऊपर रामगंज बाजार पर कारवाई करते हुए सीज की कारवाई की गई। नगर निगम जयपुर द्वारा जयपुर शहर में अवैध निर्माण और बिना अनुमति संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ नगर निगम का सख्त अभियान जारी है। इस क्रम में नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर जोन उपायुक्त विजेन्द्र कुमार ने बताया की संबंधित भवन स्वामियों और दुकानदारों को पहले ही नियमानुसार नोटिस जारी किये जा चुके थे, लेकिन तय समय में नियमों की पालना नहीं की गई, इसके बाद भी कारवाई की गई।

फुल ड्रेस रिहर्सल में हुआ सेना के साहस, शौर्य और स्वाभिमान का जीवंत प्रदर्शन

-हजारों की संख्या में युवा, विद्यार्थी और आमजन हुए शामिल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आयोजित हो रही सेना दिवस परेड–2026 को लेकर आमजन में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। जगतपुरा स्थित महल रोड पर शुक्रवार को आयोजित पहली फुल ड्रेस रिहर्सल मातृशक्ति को समर्पित रही, जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं ने सहभागिता कर भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अनुशासन का सजीव अनुभव किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर सामान्य प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में निरंतर जुटे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि 11 वे 13 जनवरी को दूसरी और तीसरी फुल ड्रेस रिहर्सल तथा 15 जनवरी को मुख्य परेड का आयोजन किया जाएगा। देश में दिल्ली से बाहर सेना दिवस परेड की मेजबानी करने वाला जयपुर, बैंगलूरू, लखनउ और पुणे के बाद चौथा शहर है। सेना दिवस परेड को जनभागीदारी से जोड़कर आमजन के बीच लाने का निर्णय राष्ट्रभक्ति, नागरिक–सैन्य समन्वय और युवा प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है। यह आयोजन सेना और समाज के बीच मजबूत भावनात्मक सेतु का निर्माण कर रहा है।

फुल ड्रेस रिहर्सल में माहौल हुआ देशभक्ति से ओतप्रोत-

शुक्रवार को आयोजित फुल ड्रेस रिहर्सल से पूर्व सेना के बैंड की देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति ने वातावरण को जोश और गर्व से भर दिया। इसके पश्चात परेड की शुरुआत अशोक चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र से सम्मानित गैलेंट्री अवॉर्ड विजेता आर्मी अधिकारियों द्वारा परेड कमांडर को सलामी देकर की गई। इन वीर योद्धाओं के नेतृत्व में आर्मी बैंड और घुड़सवार टुकड़ियां अनुशासित कदमताल के साथ आगे बढ़ीं।

मिसाइलों, हथियारों और टैंकों बने आकर्षण का केंद्र-

परेड रिहर्सल में भारतीय सेना की आधुनिक मिसाइलें, मशीनगन, हथियार, टैंक और सैन्य वाहन प्रदर्शित किए गए। ऑपरेशन सिंदूर की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें ब्रह्मोस मिसाइल और अत्याधुनिक रोबोटिक डॉग्स का प्रदर्शन किया गया। हाई-रेजोल्यूशन कैमरों से लैस ये रोबोटिक डॉग्स आधुनिक युद्ध और निगरानी क्षमताओं का सशक्त उदाहरण बने। रिहर्सल में एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल टुकड़ी द्वारा दुश्मन के टैंकों को नष्ट करने की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। परेड में शामिल एंटी एयर मिसाइल सिस्टम, जो 155 राउंड फायर करने में सक्षम है, का उपयोग ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हवाई हमलों को विफल करने में किया गया था। इसकी विशेषता यह है कि इसे हेलिकॉप्टर से भी संचालित किया जा सकता है। इसके साथ ही सेना के अत्याधुनिक ड्रोन, जो 4 हजार मीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम हैं, ने आधुनिक युद्ध तकनीक की दिशा को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया।

भैरव बटालियन ने मोहा दर्शकों का दिल-

सेना दिवस परेड में पहली बार भैरव बटालियन अपनी ताकत और आधुनिक युद्ध क्षमता का प्रदर्शन कर रही है। जनवरी 2026 में गठित यह नई स्पेशल फोर्स ड्रोन आधारित ऑपरेशंस के लिए तैयार की गई है, जिसमें एक लाख से अधिक प्रशिक्षित ड्रोन ऑपरेटर शामिल हैं। यह यूनिट हाइब्रिड और मल्टी-डोमेन चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। ऑल-टेरेन व्हीकल ने पानी, रेगिस्तान और पथरीले इलाकों में संचालन क्षमता का प्रदर्शन किया, जिसका उपयोग सैन्य अभियानों के साथ-साथ आपदा राहत और खोज बचाव कार्यों में भी किया जाता है। इसके साथ ही मॉड्यूलर ब्रिज के माध्यम से कम समय में कहीं भी मार्ग निर्माण की क्षमता को प्रदर्शित किया गया, जो युद्ध और आपदा राहत दोनों में उपयोगी है।

चश्मा लगाए डॉग्स ने दर्शकों को किया हैरान-

रिहर्सल में मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पिपराई, कोम्बई और राजपालयम जैसी स्वदेशी नस्लों के डॉग्स ने परेड में अभ्यास किया। विशेष रूप से चश्मा लगाए मुधोल हाउंड ने अपनी चुस्ती, फुर्ती और आक्रामकता से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इसके साथ ही भारतीय सेना के जांबाज जवानों ने मोटरसाइकिल पर हैरतअंगेज करतब दिखाए। पिरामिड निर्माण, एक टायर पर बाइक दौड़ाना तथा संतुलन साधते हुए अशोक स्तंभ और कमल जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों का प्रदर्शन कर जवानों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। सेना दिवस परेड के सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सेवाएं, आपातकालीन व्यवस्थाएं तथा महिला एवं दिव्यांग दर्शकों की सुविधा सुनिश्चित की गई हैं। विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय से आयोजन सुचारु एवं सुरक्षित रूप से संचालित हो रहा है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

गुमटियों को तोड़ने की तानाशाही कार्रवाई कर गरीबों का रोजगार छीना- राठौड़

-पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने एडीए की कार्रवाई पर उठाए सवाल

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। मार्गाधिकार के नाम अजमेर विकास प्राधिकरण की ओर से शहर में मुख्यमंत्री योजना के तहत बनी गुमटियों को तोड़ने की कार्रवाई पर पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने सवाल खड़े किए है और एडीए की इस कार्रवाई को अनुचित व तानाशाही पूर्ण करार दिया। आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि अजमेर शहर में तात्कालीन अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत बनी गुमटियों को एडीए की ओर से तोड़ने की लगातार कार्रवाई की जा रही है। एडीए की इस कार्रवाई से गरीब लोगों के रोजगार छीने जा रहे है। मार्गाधिकार के नाम पर एडीए ने शुक्रवार को शहर के श्रीनगर रोड पर करीब 40 से ज्यादा गुमटियों को तोड़ कर गरीब दुकानदारों को बेरोजगार करने का काम किया है, जो अनुचित है और तानाशाही कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले एडीए की कार्रवाई से प्रभावित परिवार व नोटिस मिलने से पीड़ित गुमटियों के संचालक मुझसे मिले थे और उन्होंने अपनी गुमटियों को तोड़े जाने की पीड़ा जाहिर की थी। उसके बाद एडीए आयुक्त नित्या के आनंद से मिला। इस दौरान एडीए आयुक्त नित्या के आनंद ने आश्वस्त की किया था कि बिना इनको पुनर्वास किए गुमटियों को तोड़ नहीं जाएगा। इस दौरान शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉक्टर राजकुमार जयपाल भी मौजूद थे। बावजूद

इसके आज एडीए ने बुलडोजर चलाकर गुमटियों को तोड़ दिया और गुमटियों में रोजगार कर रहे दुकानदारों को बेरोजगार कर सड़क पर ला दिया। राठौड़ ने कहा कि एडीए की यह कार्रवाई गरीबों के पेट पर चलाई गई है। जिससे अब उनके परिवार पर रोजी-रोटी कमाने का संकट आ गया और उनके परिवार पर आर्थिक बोझ खड़ा हो गया। जबकि एडीए को गुमटी तोड़ने से पहले संचालक दुकानदारों का पुनर्वास किया जाना चाहिए था, उसके गुमटियों को तोड़ने की कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एडीए की यह कार्रवाई तानाशाही व हठधर्मिता वाली है। उन्होंने राज्य की भजनलाल सरकार पर आरोप लगाया कि गरीबों के हित की बात करने वाली सरकार उनको रोजगार देने के बजाय उनके रोजगार छिनने का काम कर रही है, जो शर्मनाक है। सरकार को चाहिए कि जिन लोगों की गुमटियां तोड़ी गई है, उनको तत्काल रोज़गार की जगह उपलब्ध कराए, ताकि इनके परिवार बेहतर जीवन जी सके।

इंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से दुपहिया वाहन चालकों को 110 मफलर वितरित किए गए

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर इंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से एक दिवसीय 'मफलर बांधकर बाइक चलाओ, चाइनीज मांझे से खुद को बचाओ' अभियान चलाकर दुपहिया वाहन चालकों को मफलर वितरित कर चाइनीज मांझे से बचाओ को लेकर जागरूकता का सन्देश दिया गया। समिति संरक्षक सदस्य एडवोकेट इब्राहीम गौरी के नेतृत्व में अभियान के तहत 110 मफलर वितरित किए गए। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि समिति की तरफ से शहर में विभिन्न जगहों पर दुपहिया वाहन चालकों को मफलर वितरित कर उनको चाइनीज मांझे से बचने

के लिए जागरूक किया गया। समिति मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने कहा कि मफलर ठंड लगने, गले के संक्रमण और कान की समस्याओं से बचाओ करने में मदद करता है। साथ ही इस मौके पर हेलमेट लगाने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस दौरान समिति निदेशक सदस्य अयूब खान, समजसेवी हमीद खान रिसालदार, मो. सलमान खान, गुलाम हुसैन गौरी, सुलेमान मनीहार, रफीक मनीहार, यूनुस खान, इरफान खान, अबरार खान, करण सैनी, पंकज सैनी, जाकिर अली खान, यूनुस अली भाटी आदि मौजूद रहे। समिति व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान ने आभार व्यक्त किया।

एनएसयूआई की मीटिंग में रावतसर में कांग्रेस के नशे के विरुद्ध पदयात्रा की योजना बनाई गई

नरेश सिगची

रावतसर (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस से संबंधित छात्र संगठन एनएसयूआई की मीटिंग में शामिल हुआ व आगामी 19 जनवरी को राजस्थान एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ की हनुमानगढ़ में नशे के विरुद्ध पदयात्रा के संदर्भ में कांग्रेस के सभी संगठन के बीच इस प्रोग्राम को सफल बनाने की योजना बनाई गई, जिसमें राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवभगवान रैगर गहनोलिया ने युवाओं को ज्यादा से ज्यादा इस पदयात्रा में शामिल होने का आह्वान करते हुए इस यात्रा को सफल बनाने की अपील सभी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व हनुमानगढ़ जिले के युवाओं से की इस मौके पर एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रोहित जावा, रावतसर ब्लॉक अध्यक्ष देवीलाल मटोरिया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रोशनदीन हांसल, समीर इमीलाल मेघवाल, गोविंद सांगवाल, अमरसिंह सिहाग, बिट् वर्मा, रोहिताश धानका, हेतराम स्वामी, सुशील कुमार, सुरेंद्र कुमार, रमेश कुमार, रोशन, रोहन, गुरुसेवक वरतीया और सैकड़ों युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। मीटिंग में नशे के विरुद्ध

पदयात्रा को सफल बनाने के लिए सभी संगठन के बीच समन्वय स्थापित करने और अधिक से अधिक लोगों को इस पदयात्रा में शामिल करने की योजना बनाई गई। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रोहित जावा ने कहा कि नशे के विरुद्ध यह पदयात्रा एक महत्वपूर्ण कदम है और हम सभी को इसके लिए एकजुट होकर काम करना होगा। इस मौके पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष रोशनदीन हांसल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से नशे के विरुद्ध लड़ाई लड़ती आई है और इस पदयात्रा के माध्यम से हम लोगों को नशे के नुकसान के बारे में जागरूक करेंगे।

इमरान सरकेल का स्टेट हज इंस्पेक्टर में चयन एवं मुंबई में हुई ट्रेनिंग

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से इमरान सरकेल को हज ट्रेनर के लिए चयन किया गया है जिसकी ट्रेनिंग मुंबई भारतीय हज कमेटी द्वारा दी जा रही है जिसकी नियत खिदमत की हो उसे अल्लाह अपने घर बुलाता है चूरू के इमरान सरकेल का सेन्ट्रल हज कमेटी मुंबई द्वारा जारी मैरिट में चूरू के इमरान सरकेल का चयन किया गया ये चयन पेपर और इंटरव्यू पर आधारित था ध्यान में रहे इसे पहले इमरान सरकेल का चयन हज 2026 हज ट्रेनर में भी हुवा है आज आये रिजल्ट में इनका चयन स्टेट हज इंस्पेक्टर राजस्थान में हुवा है ये हज 2026

के हुज्जाज-ए-इकराम का हज सेशन 2026 में सऊदी उनके साथ रहकर खिदमत करेंगे और उनकी सुविधा का निरिक्षण करेंगे इमरान सरकेल को हुज्जाज-ए-इकराम की खिदमत करते हुए 20 साल हो गए है और नि:शुल्क कैम्प लगाकर हाजीयो के फॉर्म भरना और उनकी खिदमत करते आये है।

जिला प्रमुख उर्मिला जैन का जयपुर में आयोजित संवाद एवं स्नेह मिलन समारोह में हुआ सम्मान

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जयपुर में प्रदेश स्तरीय जिला परिषद सदस्यगणों का संवाद एवं स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया का स्वागत सम्मान किया गया। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जयपुर स्थित कान्स्टिट्यूशन क्लब में राजस्थान प्रदेष के सभी कांग्रेस पार्टी के जिला प्रमुख एवं जिला परिषद सदस्यों का संवाद एवं स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेष के सभी जिला प्रमुख एवं जिला परिषद सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बारां से जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने भी अपनी भागीदारी निभाई। प्रदेष अध्यक्ष द्वारा जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया

को सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्दसिंह डोटासरा द्वारा इस प्रदेष स्तरीय आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी कांग्रेसजनों को जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में सम्पन्न हुए अन्ता विधानसभा उप चुनाव के दौरान भाजपा की डबल इंजन की सरकार के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री दोनों ने बागडोर संभाली तथा कैम्प किए लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इस डबल इंजन की सरकार को पटकनी देकर अन्ता विधानसभा से प्रमोद जैन भाया को भारी मतों से विजयी बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया को आज जयपुर में आयोजित संवाद एवं स्नेह मिलन समारोह में प्रदेश स्तरीय जिला परिषद सदस्यगणों के साथ प्रदेष अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में सहभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा, हिंडोली विधायक अशोक चांदना एवं झोटवाड़ा कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक चैधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उर्मिला जैन भाया ने कार्यक्रम में मिले स्नेह, सम्मान एवं सहयोग के लिए कांग्रेस पार्टी के समस्त वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

नेशनल हाईवे 62 पर दो कारों में आमने-सामने भिड़ंत में चार गंभीर घायल

विनोद सोखल

हनुमानगढ़ \कैंचिया (रॉयल पत्रिका)। हनुमानगढ़ जिले के कैंचिया क्षेत्र में नेशनल हाईवे-62 पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कैंचिया के पास जीआर ग्लोबल के समीप इनोवा कार और एक अन्य कार की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवा 108 मौके पर पहुंची और सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद

श्रीगंगानगर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही कैंचिया पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस पूरे मामले की पड़ताल कर रही है। पुलिस घायलों की पहचान और दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच में जुटी है।

कांग्रेस का काम के अधिकार की रक्षार्थ राष्ट्रव्यापी अभियान

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा काम के अधिकार की रक्षार्थ एक राष्ट्रव्यापी अभियान 11 जनवरी को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिकात्मक विरोध रखा जायेगा। जिला स्तर चुरु में पुरानी कलेक्ट्रेट गांधी स्मारक पर जिला कांग्रेस कमेटी चुरु द्वारा जिला अध्यक्ष मनोज मेघवाल के नेतृत्व में 11 जनवरी को साढ़े बारह बजे सभी कांग्रेस जन उपस्थित हो कर एक दिवसीय उपवास का आयोजन रखा जायेगा। जिससे सभी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेता गण की सभा आहुत की गई है। कांग्रेस के जिला प्रवक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति ने बताया कि शिर्ष नेतृत्व अनुसार 12 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक पंचायत स्तर पर जन

सम्पर्क, सभी ग्राम पंचायतों में चौपालें, कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे व नेता विपक्ष राहुल गांधी के पत्रों का ग्राम प्रधानों, पुर्व ग्राम प्रधानों, रोजगार सेवको, मनरेगा श्रमिकों को वितरण, विधानसभा स्तरीय नुक्कड़ सभाएं और आम जन को पम्पलेट वितरण किया जाएगा। 30जनवरी को चिन्हित जगहों पर शांति पुर्ण धरना, 31 जनवरी से 6 फरवरी जिला स्तरीय मनरेगा बचाओ धरना, 7 फरवरी से 15 फरवरी तक राज्य स्तरीय विधानसभा घेराव तथा 16 फरवरी से 25 फरवरी तक आंचलिक AICC मनरेगा बचाओ रैलिया का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा।

दादी नानीबाई शोभायात्रा का शहरवासियों ने किया स्वागत

चूरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के मुख्य बाजार में नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया ने दादी नानी बाई बरसी महोत्सव पर शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर सिंधी समाज की ओर से शहर के मुख्य मार्गो से समाज के अध्यक्ष नितिन राघवानी की अध्यक्षता में शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर कायमखानी समाज के जिलाध्यक्ष मुंशी खां, मुकेश महनसरिया, विजय जालान, सेवादल के ओमप्रकाश वाकोलिया, अयुब खां मलवान, कालूराम महर्षि, योगेश ढाका, अजय दाधीच, नंदकिशोर स्वामी, ललित, शाहरुख लूहार, विनोद बजाज, शरद बजाज सहित शहरवासियों ने शोभायात्रा पर वर्षा कर स्वागत किया।

रतननगर में धातु निर्मित मांझा जप्त कर नष्ट किया

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देषानुसार रतननगर नगर पालिका सुश्री संजू खोड़ के द्वारा गठित टीम ने रतननगर के मुख्य बाजारों में मांझा विक्रेताओं के यहां कार्रवाई करते हुए चायनीज, धातु निर्मित मांझा की चरखियां व रोल जप्त कर उन्हें जलाकर नष्ट किया गया। अधिषाषी अधिकारी संजू खोड़ ने बताया कि जिले भर में धातु निर्मित एवं प्रतिबंधित मांझे की बिक्री एवं भण्डारण पर प्रतिबंध लगा हुआ हैं। जो भी व्यापारी इसका उल्लंघन करेगा

तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लायी जायेगी। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देषानुसार 14 जनवरी मकर सक्रांति के दिन मकर सक्रांति पर्व पर पतंगबाजी में घायल पक्षियों को संरक्षण एंव चिकित्सा प्रदान करने के लिए रतननगर नगर पालिका क्षेत्र में सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक आवष्यकतानुसार चिकित्सा षिविर आयोजित किया जायेगा। जो कि रतननगर में प्रथम श्रेणी पषु चिकित्सालय में आयोजित किया जायेगा। यदि किसी भी नागरिक के पास किसी पक्षी के घायल होने आदि की सूचना मिले तो वह इस चिकित्सा षिविर में सूचना दे सकते हैं।

राजस्थान जाट महासभा युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का विस्तार

-देवेंद्र बेनीवाल व सुनील गोदारा मनोनीत

निशान सतराना

घड़साना (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान जाट महासभा युवा प्रकोष्ठ द्वारा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इस क्रम में 09 जनवरी, शुक्रवार को युवा प्रकोष्ठ के संभाग अध्यक्ष राकेश लेगा एवं जिला अध्यक्ष प्रेम पुनिया ने घड़साना तहसील अध्यक्ष पद पर देवेंद्र बेनीवाल तथा उपाध्यक्ष पद पर सुनील गोदारा को मनोनीत किया। इस अवसर पर उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए संभाग अध्यक्ष राकेश लेगा ने कहा कि युवा वर्ग को सही दिशा देना युवा प्रकोष्ठ की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जाट समाज हमेशा से सर्व समाज के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाता आया है और आगे भी समाज के हर वर्ग

के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करता रहेगा। जिला अध्यक्ष प्रेम पुनिया ने अपने संबोधन में सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने पर जोर देते हुए जाट समाज के युवाओं से बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठित युवा शक्ति ही समाज को नई दिशा दे सकती है। कार्यक्रम में प्रेम सहारण, मदन पाटोदिया, विक्रम सिंह, सुखवीर भूखर सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

पी डी मेडिकल कॉलेज में 13 नए पीजी कोर्स

- इसी सत्र से मिलेगी सुपर स्पेशिलिटी की सुविधा- डॉ. एम एम पुकार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज में 13 नए पीजी कोर्स जल्द होंगे शुरू पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा शिक्षा और उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विस्तार होने जा रहा है। इसी सत्र से 13 नए पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) कोर्स शुरू किए जाएंगे, जिससे कॉलेज में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी और मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। वर्तमान में कॉलेज में पैथोलॉजी और कम्युनिटी मेडिसिन में पीजी कोर्स संचालित हैं। इन दो विषयों के अतिरिक्त 13 और विषयों में पीजी कोर्स शुरू करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की अंतिम अनुमति का इंतजार है। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार ने बताया कि एनएमसी की स्वीकृति मिलते ही वर्ष 2026 के सत्र से कुल 15 विषयों में लगभग 38 पीजी सीटों पर पढ़ाई शुरू हो जाएगी। प्रस्तावित नए पीजी विषयों में मेडिसिन, सर्जरी, स्त्री रोग, हड्डी रोग, ईएनटी, नेत्र रोग, श्वास रोग, रेडियोलॉजी, बाल रोग, त्वचा रोग, एनेस्थीसिया, फिजियोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन जैसे महत्वपूर्ण विभाग शामिल हैं। इन पीजी कोर्स के शुरू होने से कॉलेज में चौबीसों घंटे विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इससे गंभीर मरीजों को बड़े शहरों में रेफर करने की आवश्यकता कम होगी, साथ ही ऑपरेशन, जांच और इमरजेंसी सेवाएं भी मजबूत होंगी। इसका सीधा फायदा चूरू जिले और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के रोगियों को मिलेगा। डॉ. पुकार ने बताया कि राज्य सरकार और राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस) से मेडिकल कॉलेज को पहले ही अनुमति मिल चुकी है। एनएमसी की स्वीकृति मिलते ही 13 विषयों में पीजी शुरू हो जाएगी, जिससे जयपुर और बीकानेर जैसे बड़े शहरों में होने वाले जटिल इलाज भी चूरू मेडिकल कॉलेज में संभव हो सकेंगे।

जिले में किसान अधिकार पंजीकरण शिविर 17 जनवरी तक

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल के तहत किसानों को डिजिटल पहचान देने तथा तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से श्रीगंगानगर जिले में 9 जनवरी से 17 जनवरी 2026 तक किसान अधिकार पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि उक्त अभियान का उद्देश्य जिले में शत-प्रतिशत किसानों का फार्मर रजिस्ट्री पंजीयन सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत जिले के प्रत्येक राजस्व ग्राम में फार्मर रजिस्ट्री के पंजीकरण हेतु विशेष कैंप 9 से 17 जनवरी 2026 तक आयोजित किए जायेंगे। कैंप प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित होंगे। उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी, आईएलआर, पटवारी व ग्राम विकास अधिकारी शिविरों के सफल संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं किया जाना सुनिश्चित करेंगे। समस्त तहसीलदार किसान अधिकार पंजीकरण शिविर कार्यक्रम अनुसार शिविरों का आयोजन किया जाना सुनिश्चित करें। समस्त विकास अधिकारी शिविरों के प्रचार-प्रसार की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। इसके तहत लाउडस्पीकर के माध्यम से प्रचार गांवों के विभिन्न वाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से प्रचार तथा अन्य सभी माध्यमों का प्रयोग कर प्रत्येक किसान तक कैंपों के आयोजन की सूचना पहुंचाया जाना सुनिश्चित करेंगे। विकास अधिकारी कैंप आयोजन हेतु आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ ग्राम पंचायत के कार्मिकों की कैंप में उपस्थिति भी सुनिश्चित करेंगे। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आयोजित किसान अधिकार पंजीकरण शिविरों में पेंडिंग किसानों की फार्मर आईडी, सीएससी एवं ई-मित्रा से प्राप्त होने वाले नये व लंबित फार्मर रजिस्ट्रेशन आईडी का पटवार, भू-अभिलेख निरीक्षक एवं तहसीलदार स्तर से अप्रूवल एंव सेव एस ड्राफ्ट पेंडेंसी का निस्तारण शत-प्रतिशत किया जाना एवं जिला प्रशासन को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट भिजवाया जाना सुनिश्चित करेंगे।

हाउसिंग बोर्ड अधिकारियों ने पार्क की मरम्मत करवाकर नया गेट लगवाया

बारां (रॉयल पत्रिका)। हिन्द जागरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश खुराना ने प्रेस जारी बयान में कहा कि कोटा रोड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पार्कों की टूटी-फूटी दीवारों को हाउसिंग बोर्ड के डिप्टी कमिश्नर अमजद अहमद द्वारा पार्क की मरम्मत करवाकर नया गेट लगवाकर सुंदर बनाने का कार्य किया। इसके साथ-साथ 50 पौधे पार्क के लिए और भेजने की बात कही। प्रेमप्रकाश गर्ग एईएन, दिलखुश बैरवा जेईएन का भी कॉलोनीवासियों ने

आभार व्यक्त किया। वहीं हिन्द जागरण मंच की ओर से स्नेहभोज भी कराया गया। खुराना ने मांग की है जो लाइनें टूटी हुई है उसको भी सही कराया जाए और नालियों को भी साफ कराया जाए। इस अवसर पर नवल सिंह कछावा, ठेकेदार रामलाल, निर्मल सिंह, भरत सिंह, विजय वर्मा, सतीस सुमन, देवराज सुमन, रोहित सुमन, चिंटू सुमन, यशवंत कुमार, महावीर मेघवाल, अंकित मेघवाल, चौथमल, विजय सुमन, रामकरण बैरवा, सागर वर्मा, शानू मंसूरी, राजकरण, महाराज रामप्रसाद आदि मौजूद रहे।

पूर्व वरिष्ठ आईएएस डी. आर. मेहता से डॉ. सुमीत गर्ग ने की शिष्टाचार मुलाकात

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता की सेवा और दिव्यांगजनों के उत्थान के संकल्प को दोहराते हुए गर्ग हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव डॉ. सुमीत गर्ग ने एक महत्वपूर्ण शिष्टाचार भेंट की। डॉ. गर्ग ने जयपुर स्थित भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के कार्यालय पहुंचकर संस्थान के संस्थापक, पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और भारतीय रिज़र्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर पद्म भूषण डी. आर. मेहता से मुलाकात की। यह भेंट न केवल दो व्यक्तित्वों का मिलन थी, बल्कि सेवा और समर्पण के उन आदर्शों पर चर्चा का केंद्र भी रही, जिसने वैश्विक स्तर पर लाखों जीवन बदले हैं। पद्म भूषण डी. आर. मेहता का व्यक्तित्व प्रशासनिक अनुभव और अगाध करुणा का संगम है। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के माध्यम से उन्होंने न केवल भारत, बल्कि विश्व के 52 से अधिक देशों में दिव्यांगजनों के लिए आशा की नई किरण जगाई है। डॉ. सुमीत गर्ग ने इस मुलाकात के दौरान मेहता के उस संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायी सफर को विस्तार से जाना, जिसमें उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर, सक्षम और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान करने के लिए समर्पित कर दिया। चर्चा के दौरान डॉ. गर्ग ने मेहता के नवाचारों और नई सोच की सराहना की, जिनके माध्यम से आधुनिक संसाधनों और साधनों का उपयोग कर लाखों लोगों को आत्मविश्वास और गरिमा के साथ जीने का अवसर मिला है। डॉ. गर्ग ने इस अनुभव को साझा करते हुए कहा कि मेहता जी के अनुभव और उनके संकल्पों को सुनना मन को गहराई से छू लेने वाला और प्रेरणा देने वाला रहा। एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में देश की सेवा करने के पश्चात, जिस प्रकार उन्होंने स्वयं को पूर्णतः जनकल्याण के लिए समर्पित किया, वह समाज के हर वर्ग के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। इस मुलाकात का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह चिकित्सा और समाजसेवा के दो विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवों को एक मंच पर लाता है। डॉ. सुमीत गर्ग ने मेहता के मार्गदर्शन को सेवा के पथ पर आगे बढ़ने की नई ऊर्जा बताया। यह भेंट इस बात की पुष्टि करती है कि जब संकल्प दृढ़ हो और लक्ष्य मानवता की सेवा हो, तो व्यक्ति सीमाओं से परे जाकर विश्व पटल पर बदलाव की अमिट छाप छोड़ सकता है।

संघर्ष, संकल्प और सफलता की मिसाल बनीं उलूम फातिमा

-ऑल इंडिया बार काउंसिल एग्जाम पास कर हिंडौन सिटी की पहली मुस्लिम महिला वकील बनकर रचा इतिहास

हनीस शेख कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। शहर के इतिहास में शुक्रवार का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया, जब हिंडौन सिटी की होनहार बेटी उलूम फातिमा ने ऑल इंडिया बार काउंसिल एग्जाम पास कर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे शहर और समाज का नाम रोशन कर दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि उलूम फातिमा हिंडौन सिटी की पहली मुस्लिम महिला वकील बनकर उभरी हैं। उनकी यह सफलता उन तमाम बेटियों के लिए उम्मीद की नई किरण है, जो सपने तो देखती हैं लेकिन हालात से लड़ने का साहस नहीं जुटा पातीं। शिक्षाविद अतीक अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि उलूम फातिमा, रिटायर्ड शारीरिक शिक्षक इदरीश अहमद बादशाह की सुपुत्री हैं। सीमित संसाधनों, सामाजिक चुनौतियों और कड़े परिश्रम के बीच उन्होंने यह मुकाम हासिल किया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्तंभ बनेगा। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर 9 जनवरी, शुक्रवार को शहर के पूर्व उपसभापति नफीस अहमद के आवास पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एडवोकेट उलूम फातिमा का माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर भव्य अभिनंदन किया गया। पूरे माहौल में गर्व, खुशी और आत्मविश्वास की झलक साफ दिखाई दी। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सभापति नफीस अहमद ने कहा— "उलूम फातिमा ने ऑल इंडिया बार काउंसिल एग्जाम पास कर यह साबित कर दिया है कि अगर बेटियों को मौका और भरोसा मिले, तो वे हर क्षेत्र में परचम लहरा सकती हैं। यह सफलता सिर्फ एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे हिंडौन की जीत है।" उन्होंने आगे कहा कि उलूम फातिमा की यह उपलब्धि समाज में शिक्षा, विशेषकर बालिका शिक्षा को लेकर नई सोच और नई दिशा देने का काम करेगी। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी अपने विचार रखे और उलूम फातिमा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में डॉ. अरबाज खान, शिक्षाविद अतीक अहमद, रिटायर्ड शारीरिक शिक्षक इदरीश अहमद, अख़्तर भाई, सॉफ्टबॉल के नेशनल प्लेयर अदीब, अरमान क़मर, दुआ फातिमा, ज़ारून खाना, एनिश खान, मुआज़ रईस, माहताब आलम, अमन खान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। खुशी के इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई, पटाखे फोड़कर जश्न मनाया और पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया। समारोह में मौजूद हर शख़्स की आंखों में गर्व और चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी। उलूम फातिमा की यह सफलता सिर्फ एक परीक्षा पास करने की कहानी नहीं है, बल्कि यह हिम्मत, मेहनत और आत्मविश्वास की जीत है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि बेटियां किसी से कम नहीं — बस उन्हें उड़ान के लिए खुला आसमान चाहिए। आज हिंडौन की यह बेटी उन हजारों बेटियों की आवाज़ बन गई है, जो कानून, शिक्षा और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती हैं। उलूम फातिमा की यह कामयाबी आने वाले समय में समाज को नई दिशा और नई सोच देने का काम करेगी। हिंडौन को गर्व है — उलूम फातिमा पर। बेटी हो तो ऐसी, जो इतिहास बना दे।

साफा और माला पहना कर किया हैकाथॉन विजेताओं का अभिनंदन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा दिनांक 04 से 06 दिसंबर को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित डीजीफेस्ट में विभागीय हैकाथोन का आयोजन किया गया। विभिन्न केटेगरी अनुसार आयोजित किए गए हैकाथोन में जिले का डीओआईटी विभाग के सूचना सहायक अनुज कुमार, सहायक प्रोग्रामर सर्वजीत सिंह व गुरप्रीत सिंह लबाना की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप एक लाख पचास हजार का नगद ईनाम प्रदान कर सम्मानित किया गया। डिजीफेस्ट-2026 के तहत आयोजित इस 36 घंटे के मैराथन हैकाथॉन में राजस्थान भर से स्टार्टअप्स, नवाचारको, डेवलपर्स एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। हैकाथॉन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा, कृषि, रोजगार, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण से जुड़ी समस्याओं के लिए एआई आधारित तकनीकी समाधान विकसित करना था। टीम द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधान को निर्णायक मंडल द्वारा सराहा गया। इस समाधान की व्यावहारिक उपयोगिता और राजकीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली में प्रभावी आवश्यकता को देखते हुए टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम लीडर अनुज कुमार ने बताया कि डिजीफेस्ट जैसे मंच स्टार्टअप्स को अपने नवाचार प्रस्तुत करने, विचारों को परखने और सरकारी व औद्योगिक विशेषज्ञों से जुड़ने का सशक्त अवसर प्रदान करते हैं। टीम के आज चूरू पहुंचने पर सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के संयुक्त निदेशक नरेश कुमार, एसीपी पुष्पा, विनोद कुमारी, प्रोग्रामर राजेन्द्र प्रजापत, वंदना माटोलिया, सहायक प्रोग्रामर सुमन बुडानिया, अभिषेक सरोवा, निरंजन शर्मा, निर्मल कुमार, प्रमोद कुमार, इस्लाम, पवन सिंह, सूचना सहायक कोमल सोनी, लेखाकार अभिषेक पारीक, पवन मीणा, हीरालाल आदि द्वारा साफा व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

विशेष योग्यजनों को मिलेगी नि:शुल्क इलेक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर, 15 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार एवं निदेशालय विशेष योग्यजन, राजस्थान जयपुर द्वारा बजट घोषणा के अंतर्गत विशेष योग्यजनों को बेहतर सुविधा एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मांसपेशीय दुर्विकास से पीड़ित पात्र विशेष योग्यजनो को इलेक्ट्रकल पावर व्हील चेयर उपलब्ध करवाई जाएगी। इस योजना के अंतर्गत पीला अथवा नीला दिव्यांग प्रमाण पत्र धारक मांसपेशीय दुर्विकास से पीड़ित विशेष योग्यजनों हेतु 15 जनवरी 2206 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए हैं। इसके अतिरिक्त पेंशन पीपीओ की स्वप्रमाणित प्रति, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जनाधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रति एवं नवीन फोटो भी आवश्यक होंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक वीरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि मांसपेशीय दुर्विकास के ग्रसित विशेष योग्यजन अथवा उनके अभिभावक निर्धारित प्रपत्र में आवदेन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजो सहित 15 जनवरी 2026 तक कार्यालय उपनिदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, श्रीगंगानगर में आवेदन कर सकते हैं।

फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन चार मैच हुए जयपुर व झालावाड़ के बीच हुआ रोमांचक मुकाबला

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। जनता मांगरोल के सहयोग से आजाद क्लब के तत्वाधान में आयोजित की जाने वाली चार दिवसीय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन शुक्रवार को बावड़ी ग्राउंड में चार रोमांचक मुकाबले हुए। आयोजन समिति के अध्यक्ष सलाम पठान व प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास ने बताया कि दूसरे दिन का पहला मैच सवाईमाधोपुर बनाम निम्बाहेड़ा के बीच में खेला गया। जिसमें निम्बाहेड़ा की टीम दो गोल से विजय रही। वहीं दूसरा मैच चित्तौड़गढ़ बनाम एफ आर कोटा के बीच खेला गया। इसमें एफ आर कोटा दो- एक से विजय रहा। वहीं तीसरा मैच फ्रेंड्स क्लब लाखेरी एवं आजाद क्लब मांगरोल के बीच खेला गया। जिसमें आजाद क्लब मांगरोल की टीम एक गोल से विजेता बनी। इसके बाद चौथा मैच जयपुर व झालावाड़ के बीच खेला गया। जिसमें जयपुर व झालावाड़ दोनों टीम मैदान में काफी संघर्ष करते हुए एक एक से बराबर रही टाइम आउट होने के बाद दोनों टीमों को पेलन्टी शूट देने का मौका मिला जिसमें दोनों टीमें फिर बराबर रही उसके बाद एस्ट्रा पेनल्टी दिलाई गई जिसमें जयपुर की टीम ने जीत दर्ज की। इस मैच में ग्राउंड के चारों ओर दर्शकों का भारी भीड़ देखने को मिली में आजाद क्लब मांगरोल व जयपुर की जीत पर दर्शकों ने बावड़ी ग्राउंड में आतिशबाजी कर खुशी मनाई। आजाद क्लब के अध्यक्ष असगर अली ने बताया कि प्रतियोगिता फाइनल में विजेता होने वाली टीम को बड़ा कप एवं 21 हजार रुपए तथा द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रुपए एवं छोटा कप देकर सम्मानित किया जाएगा। गेम इंचार्ज में लियाकत हुसैन शारीरिक शिक्षक, दिनेश कुमार मधुकर वरिष्ठ अध्यापक रहे। यहां रेफरी की भूमिका में लियाकत भाई मकराना, रफीक भाई अब्बासी नीमच मध्यप्रदेश, फरीद खान निम्बाहेड़ा, मोहम्मद यूसुफ मकराना ने निभाया। टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए क्लब सदस्य जी जान से लगे हुए हैं।

अंश प्रताप सिंह राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राज्य की फुटबॉल टीम में

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले के दसवीं कक्षा के छात्र अंश प्रताप सिंह राजावत ने पानीपत हरियाणा में होने वाले राष्ट्रीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए राज्य की फुटबॉल टीम में स्थान पाकर सवाई माधोपुर का नाम रोशन किया है। अंश प्रताप सिंह राजस्थान की 17 वर्ष छात्र वर्ग फुटबॉल टीम का सबसे कम आयु का खिलाड़ी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर की ओर से जारी आदेश के अनुसार, पानीपत में 12 से 16 जनवरी तक होने वाली 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए राजस्थान की फुटबॉल टीम का चयन नवलगढ़, झुन्झुनू में प्रशिक्षण शिविर के दौरान किया गया। इस 20 सदस्यीय टीम में शेलोम इंग्लिश सैकेण्डरी स्कूल, सवाई माधोपुर के दसवीं कक्षा के विद्यार्थी अंश प्रताप सिंह की उम्र मात्र 14 वर्ष 9 महीने है। विद्यालय की प्राचार्या सिया पाण्डे ने अंश प्रताप को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए उसे तथा पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने बताया कि अंश प्रताप फुटबॉल खेल के साथ-साथ पढ़ाई में भी मेधावी है। वह मैदान में खेल के लिए अभ्यास के साथ-साथ कक्षाओं में भी नियमित रूप से उपस्थित रहकर पढ़ाई करता है।

रूडिप जागरूकता कार्यक्रम में विधार्थियों ने समझा स्वच्छता का महत्व

- विधार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से स्वच्छता व सीवरेज प्रणाली के सही उपयोग को समझा

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना की सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता कार्यक्रम के अन्तर्गत आरयूआईडीपी जोधपुर अधीक्षण अभियंता शिव राम सोनी के निर्देशन में ब्रहस्पतिवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विधालय श्याम सदन सरदारपुरा जोधपुर में परियोजना के तहत किये जा रहे विकास कार्यों में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रूडिप कैप इकाई सोशल एक्सपर्ट संतलाल सारण ने उपस्थित विद्यार्थियों को सीवरेज प्रणाली का उपयोग, रख-रखाव के बारे में बताते हुए पोस्टर के माध्यम से ठोस कचरे के सही निस्तारण,सीवरेज प्रणाली के लाभ तथा स्वच्छता के महत्व को समझाया। कार्यकम में ए.एस. डी.कैप धीरेन्द्र वैष्णव ने विधार्थियों को हैल्थ एण्ड हाईजीन के बारे में बताया। विधार्थियों ने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी ना फैलाने व शहर को स्वच्छ रखने में सहयोग का संकल्प लिया। अध्यापिका श्रीमती सुनीता परिहार, यशोधा व जया उपस्थित रही। संवेदक फर्म से ईगल इन्फ्रा से एस.ओ.टी. लक्ष्मी सैनी व मुनालाल ने कार्यक्रम संचालन में सक्रिय सहयोग किया।

निबंध में बच्चों ने शब्दों में संजोये सड़क सुरक्षा के कायदे

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिले में चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत प्रभारी अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा व जिला सड़क सुरक्षा समिति के निर्देशन में शुक्रवार को जिले के अनेक स्कूलों में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निबंध का विषय सीख से सुरक्षा और टेक्नोलॉजी से परिवर्तन रहा। प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों ने उत्साह दिखाते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर सावधानियों व यातायात नियमों को निबंध में शब्दों से संजोया। साथ ही परिजनों व परिचितों को जीवन सुरक्षा के लिए सड़कों पर यातायात के नियमों की पालना के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। निबंध में बच्चों ने सड़क हादसों से होने वाली त्रासदी को मार्मिक तरीके से उकेरा। जिले के अंता में पीएमश्री विद्यालय, महात्मा गांधी विद्यालय सब्जी मंडी अंता, बारां ब्लॉक में महात्मा गांधी बालिका विद्यालय पाठेड़ा, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बारां, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पुराना थाना, उच्च माध्यमिक विद्यालय गोरधनपुरा, मांगरोल ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रायपुरिया, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़गांव सहित छबड़ा, अटरू व छीपाबड़ौद ब्लॉक के स्कूलों में सीख से सुरक्षा और टेक्नोलॉजी से परिवर्तन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया एवं सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में एनजीओ सदस्य हरीश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे। जिला परिवहन अधिकारी डॉ. शर्मा ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत जिले में सड़क हादसों में कमी लाने के प्रयासों के तहत सभी वर्गों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान की शुरूआत 1 जनवरी को सूचना केन्द्र में जागरूकता प्रदर्शनी के साथ किया गया था।

समलेटी के फौजी बाबा आश्रम पर वार्षिकोत्सव सत्संग समारोह रविवार को

शफीक अली

महुवा (रॉयल पत्रिका)। महुवा उपखंड क्षेत्र के ग्राम समलेटी के श्री दादू दयाल फौजी बाबा आश्रम समलेटी में पूज्य गुरुदेव महंत श्री हरिकिशन दास जी महाराज व संत श्री रामलखन दास जी महाराज के पावन सानिध्य में रविवार 11 जनवरी को प्रातः 11:15 पर सत्संग में प्रसादी का कार्यक्रम वार्षिकोत्सव सत्संग समारोह भव्य रूप से मनाया जाएगा। फौजी बाबा आश्रम समलेटी केसंत श्री परमानंद दास जी महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक उत्सव एवं सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। संत श्री परमानंद दास जी महाराज ने बताया कि संतो के दरबार में संगत के साथ-साथ पंगत का बहुत महत्व है भजन और भोजन दोनों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इस समारोह के उपलक्ष में चल रहे श्री रामचरितमानस के अखंड पाठों की पूर्णाहुति रविवार 11 तारीख रविवार को सत्संग व भोजन प्रसादी के रूप में की जा रही है।

रविवार 11 जनवरी को प्रातः 11:15 बजे से सत्संग व पंकज प्रसादी का शुभारंभ होगा जो सांय पर्यंत चलेगा..

जिसमें बाहर से पधारे हुए संत महापुरुष अपनी मधुर में वाणी से सत्संग प्रवचन करेंगे...

ग्राम समलेटी, पाड़ली, खोहरी व समसपुर सहित दर्जनों गांवो से श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करते हुए सत्संग का लाभ उठाएंगे।

गर्ल्स कॉलेज में बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत कार्यक्रम का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर के निर्देशानुसार महिला अधिकारिता विभाग द्वारा राजकीय कन्या महाविद्यालय में बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र प्रबंधक अनिता नामा, विधि परामर्शी मोना जेन, विशेषज्ञ विनीता सेन, विशेषज्ञ लक्ष्मी राठौर, प्राचार्य संजय मेहता, कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सलोनी शर्मा व सहायक आचार्य डॉ. अर्पणा शर्मा ने बालिकाओं को कार्यकम के बारे में जानकारी दी। सभी ने अपने-अपने उद्बोधन में कहां कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है, कम उम्र में ही लड़कियों की शादी करने से उनका उचित विकास नहीं हो पाता इसलिए सामाजिक विकास और परिवार की खुशहाली के लिए लड़कियों का बाल विवाह नहीं करना चाहिए। बालिका की आयु 18 वर्ष पूर्ण होने पर ही उनका विवाह करना चाहिए। कम उम्र में लड़की के विवाह होने से परिवार और उसकी जिम्मेदारी को नहीं समझ पाती है। इसलिए स्वयं के परिवार व समाज में बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने का संकल्प करना होगा। केन्द्र पर फोन पर अथवा स्वयं आकर आर्थिक सशक्तिकरण परामर्श केरियर की जानकारी प्राप्त कर सकते हो। उन्होंने कहा कि बाल विवाह में शामिल होने वाले सभी लोग नैतिक रूप से जिम्मेदार होते है। कार्ड छापने वाला, बेंड़-बाजे वाला, हलवाई, फैरे करवाने पंडित सामूहिक रूप से जिम्मेदार होंगे। सरकार ने बालिकाओं के लिए निशुल्क कंप्यूटर कोर्स व आर्थिक संबल की योजनाएं चला रखी है। जिससे लाभ लेकर जीवन को सशक्त बना सकते है। महिलाएं स्वयं उद्यम एसएचजी ग्रुप बनाकर अथवा स्वयं के नाम से मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के माध्यम से स्वयं का व्यापार शुरू कर सकती हैं। यदि अपने कार्य के दौरान कभी भी, कोई परेशानी आए तो केंद्र के हेल्पलाइन नंबर पर परिवाद दर्ज कर सकते है। महाविद्यालय की बालिकाओं ने अपने गांव को बाल विवाह मुक्त करने का संकल्प लिया। महाविद्यालय की बालिकाओं ने कार्यक्रम के दौरान प्रश्न किए तो उनका केन्द्र प्रबन्ध, विधि परामर्शी व परामर्श दात्री द्वारा सलाह देकर समाधान किया गया। कार्यक्रम के अन्त में बालिकाओं द्वारा गांवों को बाल मुक्त कराने का संकल्प लिया। कॉलेज प्रशासन ने कार्यक्रम की सराहना की और भविष्य में भी महिला अधिकारिता विभाग द्वारा बालिकाओं से सम्बन्धित कार्यक्रम व गतिविधियां आयोजित करवाने के लिए कहा।

AIM for Seva और आर्ष विद्या तीर्थ की रजत जयंती के उपलक्ष्य में उदयपुर में सूर्या गायत्री का "रामं भजे" संगीत संध्या का आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। AIM for Seva एवं आर्ष विद्या तीर्थ की रजत जयंती समारोह के अंतर्गत उदयपुर में आज शाम को 6:30 गीतांजली यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में सूर्या गायत्री द्वारा प्रस्तुत "रामं भजे" वैदिक एवं भक्ति-प्रधान भजन कार्यक्रम किया जाएगा। जे.पी अग्रवाल चेयरमैन गीतांजली ग्रुप, उदयपुर के सौजन्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के साथ-साथ, गीतांजली ग्रुप समाजसेवा, शिक्षा एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु अपने परोपकारी प्रयासों के लिए भी जाना जाता है। यह कार्यक्रम उनकी उसी सामाजिक प्रतिबद्धता का एक सार्थक उदाहरण है। यह आयोजन AIM for Seva एवं आर्ष विद्या तीर्थ के राजस्थान में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वतीजी की प्रेरणा से स्थापित AIM for Seva देश के विभिन्न राज्यों में संचालित निःशुल्क छात्रालयों के माध्यम से ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से वंचित बच्चों को मूल्यनिष्ठ शिक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सांस्कृतिक संस्कार प्रदान कर रहा है। इन छात्रालयों में बच्चों का सर्वांगीण विकास—शैक्षिक, नैतिक और आध्यात्मिक—एक समग्र दृष्टि से किया जाता है। राजस्थान में AIM for Seva के तत्वाधान में 2 छात्रालय जयपुर और उदयपुर में कार्यरत है| अब तक इन छात्रालयों के माध्यम से 450 से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं और सुदूर वनवासी क्षेत्रों के बालक उच्च शिक्षा प्राप्त कर रोज़गार पा चुके हैं| सूर्या गायत्री वैदिक मंत्रोच्चार एवं भक्ति संगीत के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखती हैं। उनकी प्रस्तुतियाँ शास्त्रीय मर्यादा, भावपूर्ण गायन और ध्यानात्मक गहराई के लिए जानी जाती हैं। रामं भजे के माध्यम से वे श्रोताओं को मंत्र, भक्ति और संगीत के माध्यम से एक अंतर्मुखी एवं शांत अनुभूति प्रदान करती हैं। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम AIM for Seva एवं आर्ष विद्या तीर्थ के राजस्थान में 25 वर्षों की साधना, सेवा और शास्त्र-परंपरा का उत्सव है। आर्ष विद्या तीर्थ, AIM for Seva और गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल्स के संयुक्त प्रयास से यह आयोजन सेवा, शिक्षा, संस्कृति और अध्यात्म के सुंदर समन्वय का प्रतीक बनेगा। इसी श्रृंखला में उदयपुर में एक स्कूल परियोजना जिसमें 500 छात्रों की आवास सुविधा भी होगी, उसे मूर्त रूप दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधक, विद्वान, विद्यार्थी एवं नगर के प्रबुद्ध नागरिकों की सहभागिता अपेक्षित है, जिससे यह आयोजन उदयपुर के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जीवन में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा।

बॉलीवुड की सबसे महंगी आइटम गर्ल कौन?

तमन्ना भाटिया से मलाइका अरोड़ा और कैटरीना तक कौन कितना करती हैं चार्ज?

आइटम सॉंग्स के बिना फिल्मों का मजा कम सा हो जाता है, लेकिन फिल्मी दुनिया की कुछ ऐसी अदाकारा हैं जिनका जलवा आइटम नंबर में चलता है। ऐसी एक्ट्रेसेस और उनकी फीस के बारे में। आज के समय में हर फिल्म में एक आइटम नंबर जरूर होता है। फैंस आइटम नंबर को काफी ज्यादा पसंद करते है। इनके वजह से फिल्मों की डिमांड भी काफी बढ़ जाती है। आइटम नंबर फिल्म रिलीज होने से पहले ही सोशल मीडिया के जरिए हिट होने लगते है। आपको जानकर हैरानी होगी कि आइटम नंबर के लिए एक्ट्रेस काफी मोटी रकम वसूल करती है। चलिए आपको बताते हैं एक आइटम नंबर के लिए हसीनाएं कितनी फीस वसूलती हैं। तमन्ना भाटिया साउथ से लेकर बॉलीवुड तक में खूब फेमस हैं। दमदार अदाकारी क साथ एक्ट्रेस आइटम नंबर्स ले भी छाई रहती हैं। उन्होंने स्त्री 2 में अपने आज की रात गान से खूब फेम पाया था। इसी के साथ एक्ट्रेस आइटम नंबर्स के लिए मोटी फीस चार्ज करती हैं। यहां तक कि स्टेड पर चंद मिनटों की परफॉर्मे के लिए वे करोड़ों वसूलती हैं। उन्होंने 31 दिसंबर 2025 को गोवा में एक क्लब में न्यू ईयर इवेंट में परफॉर्मेंस दी थी और सियासत डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, तमन्ना ने 6 मिनट की परफॉर्मेंस के लिए 6 करोड़ रुपये फीस चार्ज की थी। एक्ट्रेस नोरा फतेही आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। एक्ट्रेस अपने डांस मूव्स से हर किसी का दिल जीत लेती है। रिपोर्ट के मुताबिक, नोरा फतेही एक गाने के लिए 2 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। सनी लियोनी अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। सनी ने अब तक कई आइटम गाने जैसे बेबी डॉल, देसी लुक और लैला मैं लैला में डांस किया है। एक्ट्रेस के आइटम गाने के लिए 3 करोड़ रुपये चार्ज किए थे। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के आइटम सॉन्गस को फैंस भी काफी पसंद करते हैं। मलाइका ने 'अनारकली' और 'मुन्नी बदनाम' जैसे कई आइटम गानों पर डांस किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक आइटम सॉन्ग के लिए मलाइका 1-2 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के आइटम सॉन्गस को फैंस भी काफी पसंद करते हैं। करीना कपूर अपनी कातिलाना अदाओं के साथ-साथ अपनी एक्टिंग के लिए भी जानी जाती है। करीना ने फेविकॉल , हलकट जवानी और छम्मक-छल्लो जैसे गानों पर शानदार डांस किया है। रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस एक आइटम गाने के लिए 5 करोड़ की फीस चार्ज करती हैं। कैटरीना कैफ आइटम सॉन्ग के लिए 50 लाख रुपये से लेकर 2 करोड़ रुपये तक चार्ज करती थीं, लेकिन धूम-3 के बाद उनकी फीस बढ़ी और कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने 'चिकनी चमेली' के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये लिए थे। सामंथा रुथ प्रभु को 'पुष्पाः द राइज' में ऊ अंटावा गाने के लिए 5 करोड़ रुपये मिले थे। आज भी लोग इस गाने पर डांस करना काफी ज्यादा पसंद करते हैं।

अक्षय कुमार-प्रियदर्शन की हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' की रिलीज डेट हुई तय

15 मई 2026 को देगी सिनेमाघरों में दस्तक

हॉरर-कॉमेडी फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फ़िल्म 14 साल बाद हॉरर-कॉमेडी के बादशाह डायरेक्टर प्रियदर्शन और सुपरस्टार अक्षय कुमार की दमदार वापसी को दर्शाती है, एक ऐसा री-यूनियन जो जबरदस्त एंटरटेनमेंट का वादा करता है। पहले पोस्टर के लॉन्च के बाद से ही उत्साह सातवें आसमान पर था, और फिर आए दिलचस्प मोशन पोस्टर ने फ़िल्म को लेकर पहले से बने ज़बरदस्त बज़ को और भी बढ़ा दिया। अब लंबे इंतज़ार के बाद फ़िल्म की रिलीज़ डेट सामने आ गई है, और यह मच अवेटेड हॉरर-कॉमेडी 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। आज की सबसे बड़ी घोषणा के साथ उत्साह एक नए लेवल पर पहुँच गया है, भूत बंगला आधिकारिक तौर पर 15 मई 2026 को रिलीज हो रही है। रिलीज डेट के ऐलान ने दर्शकों की बेसब्री को और भी बढ़ा दिया है। हॉरर और कॉमेडी का परफेक्ट मेल, वो भी इस जॉनर के उस्ताद प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी के साथ, यह फ़िल्म उस सिनेमाई जादू को दोबारा रचने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसकी कमी दर्शक लंबे समय से महसूस कर रहे थे। रिलीज डेट की घोषणा करते हुए मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर किया और कैप्शन लिखा– 'बंगले से एक खबर आई है! 15 मई 2026 को खुलेगा दरवाज़ा सिनेमाघरों में मिलते हैं #BhoothBangla" भूत बंगला को एक कंप्लीट एंटरटेनर बनाने वाली सबसे बड़ी वजह इसकी दमदार स्टारकास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, जिशु सेनगुप्ता, असरानी और वामिका गब्बी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। फ़िल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग राजस्थान, जयपुर और हैदराबाद में भी की गई है, जो कहानी को एक शानदार विज़ुअल अंदाज़ देती है। कई सालों बाद प्रियदर्शन की फ़िल्म में इस पावरहाउस लाइनअप को एक साथ देखना अपने आप में ज़बरदस्त एंटरटेनमेंट का वादा करता है। इस लेजेंडरी कॉमेडी टीम की दोबारा वापसी के साथ दर्शक बड़े पर्दे पर एक और यादगार सिनेमाई अनुभव की पूरी उम्मीद कर सकते हैं। आखिरकार, ये सभी पहले भी कई यादगार क्लासिक दे चुके हैं, तो ज़रा सोचिए, जब ये सब भूत बंगला में एक साथ आएंगे तो कैसी जबरदस्त मस्ती और धमाल देखने को मिलेगा। प्रियदर्शन द्वारा डायरेक्टेड भूत बंगला को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ़ गुड फ़िल्म्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। फ़िल्म को फ़ारा शेख और वेदांत बाली द्वारा को- प्रोड्यूस किया गया है। इसकी कहानी आकाश ए. कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन द्वारा तैयार किया गया है। वहीं, रोहन शंकर ने इसके डायलॉग्स लिखे हैं। फ़िल्म को एकता कपूर के बालाजी टेलीफ़िल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है।

यश की फिट बॉडी का राज

यश को बड़े पर्दे पर देखते ही लोगों के मन में यही सवाल आता है कि आखिर वो इतने फिट कैसे रहते हैं। तो चलिए आज आपको उनकी डाइट और वर्कआउट रूटीन के बारे में बताते हैं। दमदार पर्सनैलिटी, रफ-टफ लुक और जबरदस्त फिटनेस यश जब भी स्क्रीन पर आते हैं उनकी मौजूदगी खुद-ब-खुद महसूस होती है। 'केजीएफ' से लेकर अब 'टॉक्सिक' तक यश ने साबित किया है कि वो सिर्फ एक एक्टर नहीं बल्कि डिसिप्लिन और मेहनत की मिसाल हैं। उनकी फिट बॉडी और एनर्जी के पीछे कोई शॉर्टकट नहीं बल्कि एक सख्त रूटीन, क्लीन डाइट और सालों से फॉलो की जा रही मजबूत लाइफस्टाइल है जो उन्हें आज भी टॉप फॉर्म में बनाए हुए है। यश अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और फिट बॉडी के लिए जाने जाते हैं। लेकिन इस लुक के पीछे कोई जादू नहीं बल्कि उनकी बेहद सख्त लाइफस्टाइल है। यश हर दिन एक फिक्स रूटीन फॉलो करते हैं। उनका खाना, वर्कआउट और आराम सब कुछ पहले से प्लान रहता है। उनका मानना है कि फिटनेस सिर्फ लुक्स तक सीमित नहीं है बल्कि फोकस और कंट्रोल का हिस्सा है।

'जोधा अकबर' की 'रुकैया बेगम' को उनके पेरेंट्स ने लिया था गोद, डेढ़ बजे रात को आई एक कॉल ने बदल दी जिंदगी

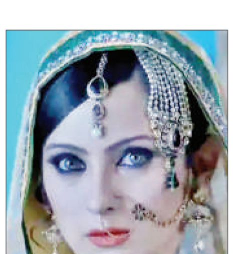

जी टीवी के पॉपुलर शो जोधा अकबर में रुकैया बेगम की भूमिका निभाकर पॉपुलैरिटी हासिल करने वाली लवीना टंडन की प्रोफेशनल लाइफ से लोग रूबरू हैं। लेकिन, पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। लवीना टंडन ने अपनी शानदार एक्टिंग और एक्सप्रेशन के दम पर रुकैया बेगम के कैरेक्टर में जान डाल दिया है। लवीना टंडन के बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि वो एक अडॉप्टेड चाइल्ड हैं। लेकिन, उनके पेरेंट्स ने कभी उन्हें ऐसा महसूस नहीं करवाया। उन्हें हमेशा प्यार से रखा। लवीना ने महज 12 साल की उम्र में अपने पेरेंट्स से कहा कि उन्हें चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम करना है। तो उनके पेरेंट्स उन्हें ऑडिशन दिलवाने ले जाया करते थे। लवीना को सबसे पहले तुम बीन जाऊं कहां में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर देखा गया था। इस शो के प्रोड्यूसर ने उन्हें इस वजह से कास्ट किया था क्योंकि उनके हेयर कर्ली थे। हालांकि, इस दौरान उन्होंने एक्टिंग की क्लासेज नहीं ली थी, तो उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं थी। फिर भी वो कैमरे के सामने खड़ी हो गई और अच्छे से रोल प्ले किया। इसी वजह से उन्हें भक्ति की शक्ति शो मिला। इस शो में उन्होंने सारलेट की भूमिका निभाई थी। 2013 में लवीना को जोधा अकबर में रुकैया बेगम का रोल ऑफर हुआ था। पहले इस रोल को स्माइली सूरी प्ले कर रही थीं। लेकिन, पर्सनल रीजन की वजह से उन्हें शो छोड़ना पड़ा। ऐसे में रात के 1:30 बजे लवीना के पास बालाजी टेली फिल्म्स से कॉल आई कि एक रोल है और उसके लिए ऑडिशन देना है। लवीना ने ऑडिशन दे दिया और वो सिलेक्ट भी हो गई।

'द राजा साब' धांसू ओपनिंग के लिए तैयार 'धुरंधर' की बंपर कमाई पर लगेगा ब्रेक!

साउथ सुपरस्टार 'द राजा साब' 9 जनवरी 2026 को रिलीज के लिए तैयार है. फिल्म पहले थलापति विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' के साथ थिएटर्स में दस्तक देने वाली थी। लेकिन अब 'जन नायकन' की रिलीज पोस्टपोन होने के बाद 'द राजा साब' बॉक्स ऑफिस पर सोलो रिलीज होगी । ऐसे में प्रभास की फिल्म को खुला मैदान मिल जाएगा और ये रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर के दबदबे को कम कर सकती है। 'द राजा साब' रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर चौतरफा राज करने की तैयारी में जुट गई है. एडवांस बुकिंग में फिल्म धड़ाधड़ कमाई कर रही है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'द राजा साब' ने पहले दिन की एडवांस बुकिंग के लिए अब तक 1 लाख 64 हजार से ज्यादा टिकट बेच लिए हैं. इसी के साथ फिल्म ने 4.62 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है और ब्लॉक सीट्स के साथ ये आंकड़ा 8.62 करोड़ रुपए पहुंच गया है। 'द राजा साब' तेलुगु के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में भी रिलीज होगी. हिंदुस्तान टाइम्स की मानें तो फिल्म पहले दिन तेलुगु में 45-50 करोड़ रुपए कमा सकती है. वहीं तमिल, कन्नड़ और मलयालम में 'द राजा साब' 5-6 करोड़ की ओपनिंग कर सकती है. वहीं हिंदी में फिल्म 10 से 12 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर सकती है. इस तरह प्रभास की ये हॉरर-कॉमेडी फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 65 से 70 करोड़ रुपए की ओपनिंग कर सकती है. वहीं फिल्म के प्रमोशन के दौरान प्रोड्यूसर टीजी विश्व प्रसाद दावा किया था कि 'द राजा साब' पहले दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन करने वाली है। 'द राजा साब' को मारुति ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में प्रभास लीड रोल में हैं. वहीं उनके साथ संजय दत्त अहम किरदार अदा करते नजर आने वाले हैं। इसके अलावा मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं।

विजय की फिल्म 'जन नायकन' हुई पोस्टपोन

मेकर्स को 50 करोड़ का भारी नुकसान

`थलपति विजय की फिल्म जना नायकन को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) द्वारा सेंसर सर्टिफिकेट जारी करने में देरी के कारण, रिलीज़ से दो दिन पहले पोस्टपोन कर दिया गया। CBFC से क्लीयरेंस न मिलने के बावजूद, कुछ चुनिंदा भारतीय सिनेमाघरों और इंटरनेशनल मार्केट में टिकट बुकिंग शुरू कर दी गई थी। थलपति विजय की फिल्म जना नायकन को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन द्वारा सेंसर सर्टिफिकेट CBFCजारी करने में देरी के कारण, रिलीज़ से दो दिन पहले पोस्टपोन कर दिया गया। से क्लीयरेंस न मिलने के बावजूद, कुछ चुनिंदा भारतीय सिनेमाघरों और इंटरनेशनल मार्केट में टिकट बुकिंग शुरू कर दी गई थी। आखिरी समय में कैंसल होने से, विजय स्टारर इस फिल्म को कथित तौर पर करीब 50 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

क्राइम थ्रिलर 'चीकाटिलो' से शोभिता धुलिपाला का फर्स्टलुक आउट

` नागा चैतन्य से शादी के बाद एक्ट्रेस शोभिता धूलिपाला की फिल्म का पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्म डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज होगी। फिल्म का नाम 'चीकाटिलो' है। यह एक सस्पेंस से भरी क्राइम थ्रिलर फिल्म है। ऑरिजनली तेलुगू में बनी में इस क्राइम थ्रिलर में शोभिता के साथ विश्वदेव राचकोंडा भी है। इस फिल्म में चैतन्य विशालक्ष्मी, ईशा चौला, झांसी, आमानी और वडलमणि श्रीनिवास भी नजर आएंगे। यह अमेजन प्राइम वीडियो पर 23 जनवरी को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज होगी। 'चीकाटिलो' हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर बनी है। फिल्म में शोभिता संध्या नाम पॉडकास्टर का किरदार निभा रही है। फिल्म में रियल क्राइम पॉडकास्टर की कहानी दिखाई गई है, जो सच की तलाश में शहर के सबसे खौफनाक और गहरे राज़ों से पर्दा उठाती है। फिल्म के पोस्टर में शोभिता को हेडफोन पहने हुए देखा जा सकता है। उनके बगल में माइक है। वह गंभीर दिख रही हैं।

(साभार एजेंसी)

भारत के साथ तनाव के बीच बांग्लादेश ने दी टी20 वर्ल्ड कप से हटने की धमकी

ढाका (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव जल्द ही कम होता नहीं दिख रहा है। बांग्लादेश टी20 वर्ल्ड कप के अपने मैचों को भारत से श्रीलंका में शिफ्ट करने की अपनी मांग पर अड़ा हुआ है। बांग्लादेश सरकार ने इस बीच आईसीसी को धमकी दी है कि अगर उसकी मांगें नहीं मानी जाती तो बांग्लादेश टी20 विश्व कप से हटने में दो बार नहीं सोचेगा। बांग्लादेश सरकार के खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ नजरुल ने ये बयान दिया है।

2000 में आईसीसी की पूर्ण सदस्यता मिलने के बाद से बांग्लादेश वैश्विक क्रिकेट समुदाय का एक सक्रिय सदस्य रहा है। टाइगर्स ने हमेशा क्रिकेट के मैदान पर प्रतिस्पर्धी भावना दिखाई है ।

मिशेल स्टार्क ने श्रीलंकाई तेज गेंदबाज की बराबरी की, टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के शानदार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने गुरुवार को अपने शानदार रेड-बॉल करियर में एक और मील का पत्थर हासिल किया, जब उन्होंने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अंतिम एशेज मैच के पांचवें दिन महान खिलाड़ियों के साथ अपना नाम दर्ज कराया और टेस्ट क्रिकेट इतिहास में बाएं हाथ के गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट के लिए रंगना हेराथ के रिकॉर्ड की बराबरी की।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने अब 105 मैचों में 433 विकेट लिए हैं जबकि श्रीलंका के हेराथ ने सिर्फ 93 मैचों में यही कुल विकेट हासिल किए थे। स्टार्क ने हालिया एशेज सीरीज में असाधारण प्रदर्शन करते हुए कुल 31 विकेट लिए और दो अर्धशतक बनाए। उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

अपने नियमित तेज गेंदबाज पार्टनर जोश हेजलवुड और पैट कमिंस के अनुपलब्ध होने के कारण 35 वर्षीय खिलाड़ी ने मेजबान टीम के लिए अकेले ही मैच का रुख बदल दिया। उनके शानदार प्रदर्शन, खासकर पर्थ और ब्रिस्बेन में, के कारण उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 1 दिसंबर, 2011 को ब्रिस्बेन के द गाबा में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जो दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच था। उन्होंने उस मैच में दो विकेट लिए और उन्हें रिची बेनो द्वारा अपनी बैगी ग्रीन कैप दी गई।

स्टार्क टेस्ट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वालों की सूची में कपिल देव से सिर्फ 2 विकेट पीछे हैं। भारतीय दिग्गज, जो पहले रेड-बॉल फॉर्मेट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, ने अपने करियर का अंत 434 विकेट के साथ किया। इस बीच स्टार्क के पास 433 विकेट हैं और वह अपने अगले टेस्ट मैच में यह मील का पत्थर हासिल करने का लक्ष्य रखेंगे।

स्टार्क के लिए 2025 शानदार साल रहा। उन्होंने 11 टेस्ट खेले और 17.32 की औसत से 55 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। उन्होंने तीन बार 5 विकेट और एक बार 10 विकेट लेने का कमाल किया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अपने वर्कलोड को बेहतर ढंग से मैनेज करने और टेस्ट क्रिकेट के लिए फिट रहने के लिए टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने का रणनीतिक फैसला भी किया। फिर भी वह आईपीएल और बीबीएल जैसी टी20 लीग में हिस्सा लेते रहेंगे। आईपीएल 2026 में वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलेंगे।

तिलक वर्मा की सर्जरी हुई, न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर

- टी-20 वर्ल्डकप की टीम में भी शामिल हैं
- एशिया कप में भारत को चैंपियन बनाया था

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत को चैंपियन बनाने वाले तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं, जो 21 जनवरी से शुरू होगी। हालांकि, इस मामले में बीसीसीआई ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। एशिया कप फाइनल में तिलक ने नाबाद 69 रन की शानदार पारी खेली थी और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी चोट को टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वर्ल्ड कप के शुरुआती एक-दो मैचों में भी उनके खेलने पर संदेह बना हुआ है।

टेस्टिकुलर टॉर्शन की समस्या – झ 7 जनवरी की सुबह राजकोट में नाश्ता करने के बाद तिलक को शरीर के निचले हिस्से में अचानक तेज दर्द हुआ। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद उनकी सर्जरी की गई।उस समय तिलक विजय हजारे ट्रॉफी के लिए हैदराबाद टीम के साथ राजकोट में थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि दर्द के बाद उन्हें तुरंत गोकुल अस्पताल ले जाया गया। जांच और स्कैन में पता चला कि तिलक को टेस्टिकुलर टॉर्शन की समस्या हुई थी, जिसमें अचानक बहुत तेज दर्द होता है। डॉक्टरों ने बिना देरी किए सर्जरी की सलाह दी।

तिलक की सर्जरी सफल रही –हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह ली और वे भी सर्जरी के फैसले से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही है और अब उनकी हालत ठीक है। उन्होंने आगे बताया कि मेडिकल पैनल से चर्चा के बाद तिलक की रिकवरी और मैदान पर वापसी के संभावित समय को लेकर जैसे ही कोई जानकारी मिलेगी, उसे साझा किया जाएगा।

विजय हजारे ट्रॉफी, सातवां राउंड

गायकवाड-जगदीशन ने सेंचुरी लगाई

हार्दिक पंड्या का 19 गेदों में अर्धशतक, 75 रन बनाए

अहमदाबाद (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के सातवें राउंड के मुकाबले गुरुवार (8 जनवरी) को अहमदाबाद, राजकोट, जयपुर और बेंगलुरु में खेले जा रहे हैं। ग्रुप ए में झारखंड का मुकाबला त्रिपुरा, कर्नाटक का मुकाबला मध्य प्रदेश, केरल का मुकाबला तमिलनाडु, पुडुचेरी का मुकाबला राजस्थान से हो रहा है। ग्रुप बी में बड़ौदा का मुकाबला चंडीगढ़, हैदराबाद का मुकाबला जम्मू-कश्मीर, असम का मुकाबला विदर्भ और बंगाल का मुकाबला उत्तर प्रदेश से हो रहा। ग्रुप सी में गोवा का मुकाबला महाराष्ट्र, मुंबई का मुकाबला पंजाब, छत्तीसगढ़ का मुकाबला उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश का मुकाबला सिक्किम से हो रहा है। ग्रुप डी में आंध्र का मुकाबला सर्विसेज, दिल्ली का मुकाबला हरियाणा, गुजरात का मुकाबला सौराष्ट्र, ओडिशा का मुकाबला रेलवे से हो रहा है।

ऋतुराज गायकवाड का शतक

ऋतुराज गायकवाड़ ने गोवा के खिलाफ कप्तानी पारी खेलते हुए शतक जड़ दिया है। उनके इस शतक के दम पर महाराष्ट्र ने 50 ओवर में 249 रन बनाए हैं। गायकवाड 134 रन बनाकर नाबाद रहे। 25 रन पर आधी टीम और 52 रन पर 6 विकेट खोने के बाद यह एक शानदार स्कोर है।

एन जगदीशन का शतक –एन जगदीशन ने केरल के खिलाफ अहमदाबाद में शानदार शतक लगाकर तमिलनाडु की पारी को संभाला। तमिलनाडु का स्कोर 200 रन के करीब पहुंच चुका है।

पंजाब 216 पर ऑलआउट – पंजाब की टीम मुंबई के खिलाफ 216 रन पर ऑलआउट हो गई। पंजाब की ओर से रमनदीप सिंह ने 72 रन बनाए, जबकि अनमोलप्रीत सिंह ने 57 रन की पारी खेली। इसके अलावा कोई बल्लेबाज ज्यादा योगदान नहीं दे सका।अभिषेक शर्मा 8 रन और प्रभसिमरन सिंह 11 रन बनाकर आउट हो गए। मुंबई के लिए मुशीर खान ने तीन विकेट लिए।

हार्दिक पंड्या 75 रन बनाकर आउट

हार्दिक पंड्या 75 रन की पारी खेलकर आउट हुए। 31 गेंदों पर उन्होंने 2 चौके और 9 छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 241.94 का रहा।

हरियाणा 105 रन पर ऑलआउट – दिल्ली के तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के सामने हरियाणा की टीम सिर्फ 105 रन पर सिमट गई।दिल्ली की ओर से ईशांत, प्रिंस और सैनी ने तीन-तीन विकेट लिए। अब दिल्ली की पारी की शुरुआत के लिए वैभव कांडपाल और प्रियांश आर्य मैदान पर उतर चुके हैं।

हार्दिक पंड्या अर्धशतक बनाकर नाबाद – चंडीगढ़ के खिलाफ बड़ौदा के हार्दिक पंड्या का अर्धशतक पूरा हो चुका है। उन्होंने 19 गेंदों पर फिफ्टी जड़ी, जिसमें 2 चौके और 6 छक्के शामिल हैं। टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 150 से ज्यादा रन बना लिए हैं।

अभिषेक शर्मा 8 रन बनाकर आउट – पंजाब की आखिरी राउंड में शुरुआत खराब रही है। मुंबई के खिलाफ कप्तान अभिषेक शर्मा (8) समेत पंजाब के तीन विकेट 25 रन के स्कोर पर ही गिर गए हैं।

ग्रुप डी के मैच

ग्रुप डी में आंध्र का मुकाबला सर्विसेज, दिल्ली का मुकाबला हरियाणा, गुजरात का मुकाबला सौराष्ट्र, ओड़िशा का मुकाबला रेलवे से होगा।

ग्रुप सी के मुकाबले

ग्रुप सी में गोवा का मुकाबला महाराष्ट्र, मुंबई का मुकाबला पंजाब, छत्तीसगढ़ का मुकाबला उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश का मुकाबला सिक्किम से होगा।

ग्रुप बी के मुकाबले

ग्रुप बी में बड़ौदा का मुकाबला चंडीगढ़, हैदराबाद का मुकाबला जम्मू-कश्मीर, असम का मुकाबला विदर्भ और बंगाल का मुकाबला उत्तर प्रदेश से होगा।

ग्रुप ए के मुकाबले

ग्रुप ए में झारखंड का मुकाबला त्रिपुरा, कर्नाटक का मुकाबला मध्य प्रदेश, केरल का मुकाबला तमिलनाडु, पुडुचेरी का मुकाबला राजस्थान से होगा।

एशियाड स्वर्ण विजेता भारतीय एथलीट

भावुक होकर कही यह बात

जिनसन जॉनसन ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाड स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी धावक जिन्सन जॉनसन ने 15 साल लंबे करियर के बाद संन्यास की घोषणा की। 2018 उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ साल रहा, जबकि चोटों से जूझने के बाद 2023 में उन्होंने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीता। उनका सफर भारतीय एथलेटिक्स के लिए प्रेरणादायक अध्याय बनकर रहेगा। भारतीय एथलेटिक्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने वाले एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी मध्यम दूरी के धावक जिनसन जॉनसन ने बुधवार को अपने संन्यास की घोषणा कर दी। 34 वर्षीय केरल के इस एथलीट ने 15 साल लंबे करियर के बाद खेल को अलविदा कहते हुए कहा कि अब उनके जीवन में कुछ नया शुरू करने का समय आ गया है।

देश, कोच और सिस्टम के प्रति आभार

जिनसन ने अपने कोच, साथी खिलाड़ियों, सरकार और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (स्नढ्ढ) का धन्यवाद करते हुए कहा, 'यह यात्रा अकेले मेरी नहीं थी। पर्दे के पीछे काम करने वाले हर व्यक्ति का दिल से धन्यवाद। आपने दर्द को ताकत और संघर्ष को मजबूती में बदला।'

2018: करियर का सुनहरा साल

जिनसन जॉनसन के करियर का सबसे यादगार साल 2018 रहा। उन्होंने जकार्ता एशियन गेम्स में 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतते हुए 3 मिनट 44.72 सेकंड का समय निकाला।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड और अंतरराष्ट्रीय मंच

2018 कॉमनवेल्थ गेम्स (गोल्ड कोस्ट) में उन्होंने 1500 मीटर में 3 :37.86 का समय निकालकर बहादुर प्रसाद का 23 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। बाद में उन्होंने 2019 में बर्लिन मीट में 3 :35.24 सेकंड का समय निकालकर अपना ही रिकॉर्ड फिर बेहतर किया। अपने करियर पर बात करते हुए जॉनसन ने कहा, 'दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना और भारतीय एथलेटिक्स में योगदान देना मेरे जीवन के सबसे गर्व के पलों में से एक रहेगा।'

भावुक संदेश के साथ संन्यास का एलान

जिनसन जॉनसन ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'कोलकाता से एक सपने देखने वाले लड़के के रूप में शुरू हुई यह यात्रा हांगझोउ एशियाई खेलों के पोडियम तक पहुंची। धन्यवाद एथलेटिक्स।' उन्होंने आगे लिखा, 'कुछ यात्राएं मीटर और सेकंड में मापी जाती हैं, और कुछ आंसुओं, त्याग, विश्वास और उन लोगों से, जिन्होंने आपको कभी गिरने नहीं दिया।'

चोट और वापसी की जंग

2019 के बाद कोविड-19 और गंभीर एचिलीज़ टेंडन चोट ने उनके करियर को गहरा झटका दिया। तीन साल तक संघर्ष और रिकवरी के बाद उन्होंने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीतकर शानदार वापसी की। यही उनकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आखिरी दौड़ साबित हुई।

आईएसएल के लिए उलटी गिनती शुरू, 13 क्लब तैयार

ओडिशा एफसी जल्द ले सकता है फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईएसएल के आगामी सत्र के लिए 13 क्लबों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है, जबकि ओडिशा एफसी से अंतिम मंजूरी का इंतजार है। एआईएफएफ को उम्मीद है कि ओडिशा एफसी 14 फरवरी से शुरू होने वाली लीग में शामिल होने की पुष्टि जल्द करेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को उम्मीद है कि ओडिशा एफसी 14 फरवरी से शुरू होने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर देगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को घोषणा की थी कि वाणिज्यिक साझेदार न मिलने के कारण स्थगित हुई आईएसएल अब 14 फरवरी से शुरू होगी और सभी 14 क्लब इसमें हिस्सा लेंगे। हालांकि, सूत्रों के अनुसार ओडिशा एफसी ने लीग में भागीदारी की पुष्टि के लिए गुरुवार तक का समय मांगा है। एक सूत्र के हवाले से कहा, 'अब तक 13 क्लबों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। ओडिशा एफसी ने एक दिन का अतिरिक्त समय मांगा है और एआईएफएफ को उम्मीद है कि वह बृहस्पतिवार को अंतिम पुष्टि कर देगा।' गौरतलब है कि ओडिशा एफसी ने इससे पहले डूरंड कप और सुपर कप में भी हिस्सा नहीं लिया था। इसके अलावा क्लब ने पिछले साल अगस्त में अपने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के अनुबंध भी समाप्त कर दिए थे। आईएसएल में प्रत्येक टीम को 13 मैच खेलने हैं। यदि ओडिशा एफसी लीग में शामिल नहीं होती है, तो प्रत्येक टीम को 12 मैच खेलने होंगे और कुल मुकाबलों की संख्या 78 रह जाएगी। इतने कम समय में 91 या 78 मैचों का आयोजन करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। पिछली बार आईएसएल का फाइनल 12 अप्रैल को खेला गया था। इसके अलावा 23 से 31 मार्च तक फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो है, जिसके दौरान भारतीय टीम 2027 एशियाई कप क्वालीफायर के मैच खेलेगी।

पांचवां एशेज टेस्ट

अंग्रेजों को 5 विकेट से धोया, सीरीज 4-1 से की नाम

पांचवें एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया विजेता

सिडनी, एजेंसी। पांचवें एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली. सिडनी टेस्ट में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर मुहर लगाई. हालांकि मैच का अंत थोड़ा अस्त-व्यस्त रहा, जहां एलेक्स कैरी और कैमरन ग्रीन के बीच विकेटों के बीच दौड़ में गड़बड़ी दिखी. इसके बावजूद ग्रीन ने दो शानदार चौके लगाते हुए 22 रन पर नाबाद रहकर टीम को जीत दिलाई.

यह सीरीज दोनों टीमों की बल्लेबाजी गलतियों से भरी रही, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के मुकाबले कम चूक की और अहम मौकों पर बड़े व्यक्तिगत प्रदर्शन किए. एडिलेड टेस्ट में ही एशेज का फैसला हो गया था. हालांकि आखिरी दो टेस्ट में इंग्लैंड का प्रदर्शन कुछ हद तक बेहतर रहा.

इसके साथ ही इंग्लैंड की टीम का ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीतने का इंतजार और लंबा हो गया है. साल 2011 के बाद से इंग्लैंड अब तक ऑस्ट्रेलियाई की सरजमीं पर एक भी एशेज सीरीज नहीं जीत सका है. सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दमदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 160 रन का लक्ष्य दिया, लेकिन कंगारू टीम ने इसे हासिल कर सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली. यह ऑस्ट्रेलिया की अपने घर में इंग्लैंड के खिलाफ लगातार चौथी एशेज सीरीज जीत है. सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड की दूसरी पारी में युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 154 रन बनाए. यह उनके टेस्ट करियर का पहला शतक रहा, जो उन्होंने एशेज जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पर जड़ा. इंग्लैंड की दूसरी पारी 342 रन पर सिमटी, जिसमें हैरी ब्रूक ने 42 रन का योगदान दिया. ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए.

चौके-छक्कों से ठोके 90 रन

शे होप ने खेली एस20 के इतिहास की सबसे बड़ी पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की टी20 लीग एस20 के 2025-26 सीजन में प्रिटोरिया कैपिटल्स के बल्लेबाज शे होप ने एक ऐतिहासिक पारी खेली. डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ 16वें मैच में होप ने नाबाद शतक ठोका और एस20 के इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. शे होप ने ये पारी ओपनिंग करते हुए खेली और वह 20 ओवर पूरे होने के बाद नाबाद पवेलियन लौटे.

शे होप ने ठोका ऐतिहासिक शतक– शे होप ने इस मैच में 69 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 118 रनों की पारी खेली. जिसके चलते प्रिटोरिया कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाने में कामयाब रही. इसी के साथ शे होप ने एस20 के एक मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया. उनकी 118 रनों की नाबाद पारी में 9 चौके और इतने ही छक्के शामिल रहे, यानी उन्होंने 90 रन सिर्फ चौके-छक्कों से बटोरे. शे होप से पहले एस20 के एक मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड काइल वेरेयने के नाम दर्ज था. उन्होंने पिछले साल स्नढ्ढ के खिलाफ 116 रनों की पारी खेली थी, वह भी नाबाद रहे थे. लेकिन शे होप ने उनसे 2 रन ज्यादा बनाए और रिकॉर्ड को तोड़ दिया. दूसरी ओर, शे होप का यह टी20 करियर का 200वां मैच था, जिसमें उन्होंने 195 पारियों में 5,350 रन बनाए हैं और औसत 31.10 का है. इस दौरान उन्होंने अपना चौथा शतक पूरा किया, साथ ही 27 अर्धशतक भी हैं. इस पारी में उन्होंने टी20 करियर में 400 चौके भी पूरे कर लिए, वहीं उनके नाम 244 छक्के दर्ज हैं.

शे होप ने खत्म किया बड़ी पारी का इंतजार– शे होप के लिए ये सीजन अभी तक कुछ खास नहीं रहा था. वह शुरुआती 5 मैचों में सिर्फ 88 रन ही बना सके थे. इस दौरान उनका सबसे बड़ा स्कोर 45 रन ही था. यानी वह एक भी अर्धशतक नहीं जड़ सके थे. लेकिन इस मैच में उन्होंने दमदार वापसी की और तूफानी शतक जड़ा. जो प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए भी एक अहम मौके पर आया, क्योंकि टीम को शुरुआती 5 मैचों में सिर्फ 1 ही जीत मिली है.

पश्चिम बंगाल राज्यपाल को बम धमकी का ई-मेल, सुरक्षा कड़ी की गई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को गुरुवार देर रात एक गंभीर सुरक्षा खतरे का सामना करना पड़ा। उन्हें ई-मेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई, जिसमें धमकी देने वाले ने राज्यपाल को बम से उड़ा देने की चेतावनी भी दी। इस घटना की पुष्टि लोक भवन के वरिष्ठ अधिकारियों ने की है। अधिकारियों के अनुसार, धमकी भरे ई-मेल में आरोपी ने अपने मोबाइल नंबर की भी जानकारी दी है। इस ई-मेल के मिलने के तुरंत बाद राज्य प्रशासन ने गंभीरता से कार्रवाई की और डीजीपी को मामले की जानकारी दी। इसके साथ ही आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी के निर्देश जारी किए गए। राज्यपाल की सुरक्षा को देखते हुए, राज्य पुलिस और केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) के लगभग 60-70 जवान उनकी सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। राज्यपाल को Z+ सुरक्षा श्रेणी प्राप्त है, जो सबसे उच्च सुरक्षा व्यवस्था में शामिल है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और गृह मंत्रालय को भी इसकी जानकारी भेजी गई है। अधिकारियों ने कहा कि राज्यपाल के प्रति यह धमकी केवल एक व्यक्तिगत खतरे नहीं है, बल्कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए एक चुनौती है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है कि वह संविधान और कानून के अनुसार कार्य करे। किसी भी लोक सेवक को उनके कर्तव्यों के निर्वहन से रोकना दंडनीय अपराध है और इस प्रकार की धमकी कानून के तहत गंभीर अपराध मानी जाएगी।

उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्यों को किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा और राज्य प्रशासन इसे गंभीरता से ले रहा है। यह धमकी पश्चिम बंगाल में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच आई है। पिछले कुछ दिनों में राज्य में राजनीतिक गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। 8 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) के सोशल मीडिया हेड के ठिकानों पर छापेमारी की थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे राजनीति से प्रेरित कार्रवाई बताया था। राज्यपाल को भेजी गई धमकी इसी राजनीतिक माहौल के बीच आई है, जिससे सुरक्षा अधिकारियों की सतर्कता और बढ़ा दी गई है। राज्यपाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तर की सतर्कता बरती जा रही है। अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राज्यपाल सुरक्षित रहें और किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस जांच के दौरान आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

ED रेड के खिलाफ TMC का देशव्यापी विरोध:

-दिल्ली में सांसद हिरासत में, कोलकाता में ममता का मार्च

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कार्रवाई के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने शुक्रवार को दिल्ली से लेकर कोलकाता तक जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल में TMC के आईटी सेल प्रमुख प्रतीक जैन से जुड़े ठिकानों पर ईडी की रेड को लेकर पार्टी ने इसे "राजनीति से प्रेरित" बताते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे TMC के आठ सांसदों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया, जबकि कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दोपहर 2 बजे विरोध मार्च का ऐलान किया। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान TMC सांसदों ने "बंगाल, मोदी-शाह की गंदी चालें नहीं चलेंगी" जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन में डेरेक ओ'ब्रायन, महुआ मोइत्रा और कीर्ति आज़ाद सहित कई सांसद शामिल थे। पुलिस ने जब प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश की तो धक्कामुक्की हुई, जिसमें कुछ सांसद गिर भी गए। इसके बाद पुलिस ने आठ सांसदों को हिरासत में ले लिया। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए महुआ मोइत्रा ने कहा, "देखिए चुने गए सांसदों के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है।" TMC ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद पुलिस ने बल प्रयोग किया। उधर, पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई को लेकर सियासी पारा और चढ़ गया। गुरुवार को ईडी की टीमों ने कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित एक आवास और सॉल्टलेक स्थित एक दफ्तर समेत कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की। इनमें से 6 ठिकाने बंगाल और 4 दिल्ली में बताए गए। बताया जा रहा है कि ये ठिकाने इंडियन PAC कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (I-PAC) से जुड़े हैं, जो राजनीतिक रणनीति और चुनावी परामर्श का काम करती है। प्रतीक जैन को ममता बनर्जी के लिए राजनीतिक रणनीति तैयार करने वाला प्रमुख चेहरा माना जाता है।

रेड की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों के साथ प्रतीक जैन के घर पहुंचीं। वे वहां करीब 20–25 मिनट रहीं और एक फाइल फोल्डर लेकर बाहर निकलीं। इसके बाद ममता सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पहुंचीं, जहां वे लगभग साढ़े तीन घंटे तक मौजूद रहीं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर ममता बनर्जी ने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित करार दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा, "मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें।" देश में संभवतः यह पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने छापेमारी के दौरान मौके पर पहुंचकर इस तरह हस्तक्षेप किया हो। ईडी ने अपनी कार्रवाई के पीछे चार प्रमुख वजहें बताई हैं और कहा है कि यह मामला करीब छह साल पुराना है। एजेंसी के अनुसार, कोलकाता में I-PAC से जुड़े ठिकानों पर की गई छापेमारी पूरी तरह सबूतों के आधार पर है और इसका किसी राजनीतिक दल या चुनाव से कोई संबंध नहीं है। ईडी का दावा है कि यह कार्रवाई हवाला, अवैध कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में की जा रही है। यह मामला वर्ष 2020 में CBI द्वारा दर्ज उस केस से जुड़ा है, जो अनुप माजी उर्फ 'लाला' के कथित कोयला तस्करी सिंडिकेट से संबंधित है। आरोप है कि इस सिंडिकेट ने पूर्वी कोलफील्ड्स के आसनसोल और आसपास के पश्चिम बर्धमान इलाकों में कोयले की चोरी और अवैध खुदाई की। ईडी के मुताबिक, कोयला तस्करी से जुड़े एक हवाला ऑपरेटर ने I-PAC को करोड़ों रुपये के लेनदेन कराए। एजेंसी का दावा है कि I-PAC भी हवाला धन से जुड़ी इकाइयों में शामिल है। ईडी ने यह भी कहा कि कार्रवाई शांतिपूर्ण और पेशेवर तरीके से चल रही थी, लेकिन ममता बनर्जी के बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचने से जांच में रुकावट पैदा हुई। वहीं TMC का आरोप है कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी दलों को डराने और दबाने के लिए किया जा रहा है। दिल्ली में सांसदों की हिरासत और कोलकाता में मुख्यमंत्री के मार्च के ऐलान ने इस पूरे मामले को और राजनीतिक रंग दे दिया है। आने वाले दिनों में यह टकराव और तेज होने के संकेत दे रहा है, क्योंकि TMC ने साफ कर दिया है कि वह ईडी की कार्रवाई के खिलाफ सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रखेगी।

उत्तर भारत में सर्दी ने तोड़े रिकॉर्ड, राजस्थान-एमपी में ओले और कोहरे से जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली। उत्तर भारत इन दिनों भीषण सर्दी की चपेट में है। राजस्थान से लेकर मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश तक ठंड ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई इलाकों में ओलावृष्टि, घना कोहरा, बर्फीली हवाएं और रिकॉर्ड तोड़ तापमान गिरावट दर्ज की गई है। हालात ऐसे हैं कि स्कूलों में छुट्टियां घोषित करनी पड़ी हैं, ट्रेनें लेट हो रही हैं और अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

राजस्थान में ओले, कोहरा और बर्फीली हवाएं-

राजस्थान में सर्दी का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। प्रदेश के कई हिस्सों में बर्फीली हवाएं चल रही हैं। उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और बांसवाड़ा में सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। जैसलमेर में हालात इतने खराब रहे कि सुबह के समय गाड़ियों पर बर्फ की पतली परत जम गई। अलवर में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे हल्की बारिश हुई, वहीं खैरथल-तिजारा क्षेत्र में बारिश के साथ ओले भी गिरे, जिससे किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। भीषण ठंड को देखते हुए राज्य सरकार ने 25 जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है, ताकि बच्चों को सर्दी से बचाया जा सके।

मध्य प्रदेश में कोहरे से रेल यातायात प्रभावित-

मध्य प्रदेश के 17 जिलों में शुक्रवार को घना कोहरा छाया रहा। कोहरे की वजह से रेल यातायात पर सीधा असर पड़ा है। दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन आने वाली करीब एक दर्जन ट्रेनें देरी से चल रही हैं। तापमान की बात करें तो छतरपुर का खजुराहो प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रीवा में 4.1 डिग्री, दतिया में 4.2 डिग्री, नौगांव और शिवपुरी में 5 डिग्री, उमरिया में 5.4 डिग्री और पचमढ़ी में 5.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। ठंड और कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

बिहार में सर्दी बनी जानलेवा-

बिहार में सर्दी बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। राजधानी पटना में पिछले 7 दिनों में 1000 से ज्यादा बच्चे सर्दी से जुड़ी बीमारियों के चलते अस्पताल पहुंचे हैं। इनमें से 3 बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है। राज्य के 15 जिलों में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। गया जी शहर सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। डॉक्टरों ने बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

काशी में 22 साल का टूटा रिकॉर्ड-

उत्तर प्रदेश के काशी (वाराणसी) में जनवरी की ठंड ने 22 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यहां अधिकतम तापमान मात्र 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बेहद असामान्य है। इससे पहले 17 जनवरी 2003 को अधिकतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था।

ईरान में महंगाई के खिलाफ प्रदर्शनों में हिंसा:

-45 की मौत, इंटरनेट और एयरपोर्ट बंद

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में महंगाई और आर्थिक परेशानियों के खिलाफ शुरू हुए विरोध-प्रदर्शन अब 13 दिन पूरे कर चुके हैं और स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। गुरुवार रात को प्रदर्शन का दायरा और बढ़ गया और देशभर के 100 से अधिक शहर इसमें शामिल हो गए। CNN की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे हैं और कई जगहों पर उन्होंने आगजनी की। प्रदर्शनकारियों ने धार्मिक और राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाया। लोग "खामेनेई को मौत" और "इस्लामिक रिपब्लिक का अंत हुआ" जैसे नारे लगा रहे हैं। कुछ शहरों में प्रदर्शनकारी शाह परिवार और क्राउन प्रिंस रजा पहलवी के समर्थन में खड़े दिखे। उन्होंने "यह आखिरी लड़ाई है, शाह पहलवी लौटेंगे" जैसे नारे भी लगाए। यह संकेत है कि अब देश में सिर्फ आर्थिक मुद्दों तक ही सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक बदलाव की मांग भी तेज हो रही है। प्रदर्शन के दौरान हिंसा भी देखने को मिली। अमेरिकी ह्यूमन राइट एजेंसी के अनुसार अब तक हिंसा में 45 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। हिंसा में एक पुलिस अधिकारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने 2,270 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। इन घटनाओं से साफ है कि सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच संघर्ष चरम पर पहुंच चुका है। सुरक्षा कारणों से देशभर में इंटरनेट और फोन सेवाएं बंद कर दी गई हैं। ये कदम प्रदर्शनकारियों के संचार और संगठन को रोकने के लिए उठाए गए हैं। इसके अलावा, तेहरान एयरपोर्ट को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। सेना को अलर्ट पर रखा गया है और राजधानी तथा अन्य प्रमुख शहरों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान में आर्थिक संकट, महंगाई और बेरोज़गारी ने युवाओं और आम जनता में नाराजगी पैदा कर दी है।

स्लीपर बस हादसे और सुरक्षा मानक:

-AIS-052 लागू, यात्रियों की जान बचाने की कवायद

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों में भारत में स्लीपर कोच बसों से जुड़े कई भयावह हादसे सामने आए हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में बताया कि बीते 6 महीनों में स्लीपर बसों में आग लगने के 6 बड़े हादसों में 145 लोगों की जान चली गई। इन हादसों ने बसों की सुरक्षा और मानक को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन हादसों का अध्ययन करने पर यह सामने आया कि आग लगने के कारण कई बार एक जैसी खामियां रही हैं। इनमें सबसे आम हैं ज्वलनशील इंटीरियर, संकरे या बंद आपातकालीन निकास, खराब या अपर्याप्त आपातकालीन खिड़कियां, फायर सेफ्टी उपकरणों का अभाव और स्टाफ का अपर्याप्त प्रशिक्षण। इन कारणों से आग लगने पर यात्री समय पर बाहर नहीं निकल पाते और जान-माल का नुकसान बढ़ जाता है। इन हादसों के बाद केंद्रीय सरकार ने स्लीपर बसों के लिए कड़े नियम लागू करने का फैसला किया है। गडकरी ने कहा कि अब स्लीपर बसों का निर्माण केवल ऑटोमोबाइल कंपनियां या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान ही कर सकेंगे। इसके अलावा, पहले से चल रही बसों को भी नए सुरक्षा मानकों के अनुसार अपडेट करना होगा। इन मानकों में फायर डिटेक्शन सिस्टम, आपातकालीन हैमर सहित निकास, इमरजेंसी लाइटिंग और ड्राइवर के लिए नींद चेतावनी संकेतक शामिल हैं। यह सुरक्षा मानक बस बॉडी कोड AIS-052 के तहत लागू किया गया है। AIS-052 भारत में बसों के बॉडी डिजाइन और अनुमोदन के लिए एक औद्योगिक मानक है। इसे ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (ARAI) ने केंद्रीय मोटर वाहन नियमों (CMVR) के तहत जारी किया है। इसका मुख्य उद्देश्य बसों के डिजाइन, संरचना और सुरक्षा मानकों को एक समान रूप से सुनिश्चित करना है। AIS-052 मानक सभी प्रकार की बसों पर लागू होता है—चाहे वह सिटी बस हो, इंटरसिटी कोच, स्कूल बस या अन्य यात्री बसें। इसमें बस के आयाम, सीट व्यवस्था, गैंगवे (चालक से पिछली सीट तक मार्ग), इमरजेंसी एग्जिट गेट, सीटों की मजबूती और सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था शामिल है। इसके तहत बसों को मजबूत, सुरक्षित और आरामदायक बनाना अनिवार्य है, ताकि यात्री दुर्घटना या आग जैसी परिस्थितियों में सुरक्षित रह सकें। हाल ही में हुए कुछ प्रमुख हादसे जैसे- मध्य प्रदेश में एक स्लीपर बस में आग लगना, राजस्थान में यात्रियों के फंस जाना, उत्तर प्रदेश में बस के फर्नीचर में आग फैल जाना आदि ने यह स्पष्ट कर दिया कि बस की संरचना और आपातकालीन इंतजामों की कमी जानलेवा साबित हो सकती है। इन हादसों ने यह भी दिखाया कि यात्रियों को जल्दी और सुरक्षित बाहर निकालने के लिए आपातकालीन मार्ग और प्रशिक्षण कितना महत्वपूर्ण है। गडकरी ने कहा कि 1 सितंबर 2025 से संशोधित बस बॉडी कोड लागू कर दिया गया है, जिससे भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने की दिशा में कदम बढ़ाया जा सके। इससे न केवल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि बस निर्माता और परिवहन विभाग के लिए भी एक मानक स्थापित होगा।

डेनमार्क का सख्त रुख: ग्रीनलैंड पर हमले का तुरंत जवाब

कोपनहेगन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी के बीच डेनमार्क ने कड़ा रुख अपनाया है। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई विदेशी ताकत डेनिश क्षेत्र पर हमला करती है, तो सैनिक बिना किसी आदेश का इंतजार किए तुरंत जवाबी कार्रवाई करेंगे और गोली चलाएंगे। यह नियम 1952 का है और कोल्ड वॉर के समय बनाया गया था। इसका उद्देश्य सैनिकों को स्वतंत्र रूप से त्वरित प्रतिक्रिया देने की अनुमति देना था। यह निर्देश अप्रैल 1940 में नाजी जर्मनी के डेनमार्क पर हमले के बाद तैयार किया गया था। उस समय सैनिकों को तुरंत प्रतिक्रिया देने की जरूरत महसूस हुई थी, ताकि देश की सुरक्षा में कोई देरी न हो। ग्रीनलैंड में डेनमार्क की सैन्य इकाई जॉइंट आर्कटिक कमांड यह तय करेगी कि किसी भी घटना को हमला माना जाएगा या नहीं। इसका मतलब यह है कि कोई भी सैन्य कार्रवाई तभी हमले के रूप में दर्ज की जाएगी जब कमांड तय करेगा। इस कदम का मकसद है कि डेनमार्क अपने क्षेत्रीय अधिकारों की रक्षा में सक्षम रहे और किसी भी अनियंत्रित स्थिति मंइ तुरंत जवाब दे सके। इस बयान का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हाल ही में ट्रम्प ने बार-बार ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की मांग की है और जरूरत पड़ने पर सैनिक भेजने की धमकी भी दी है। ट्रम्प ने इसे खरीदने का सुझाव भी दिया था, लेकिन अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ग्रीनलैंड पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को इसे खरीदने या जबरन कब्जा करने की जरूरत नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि रणनीतिक और राजनीतिक उपायों के जरिए भी अमेरिका इस क्षेत्र में प्रभाव कायम कर सकता है। डेनमार्क का यह स्पष्ट रुख यह संदेश देता है कि किसी भी विदेशी दखलअंदाजी को वह बर्दाश्त नहीं करेगा।

अमेरिका 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बाहर: सोलर अलायंस भी छोड़ेगा

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बाहर निकल जाएगा। इनमें 31 संयुक्त राष्ट्र (UN) की एजेंसियां और 35 गैर-UN संगठन शामिल हैं। व्हाइट हाउस और स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, यह कदम अमेरिकी हितों की रक्षा और संसाधनों की बचत के लिए उठाया गया है। अधिकारी कहते हैं कि इन संगठनों में अक्सर पैसे की बर्बादी होती है, कुछ संगठन गैरजरूरी हैं और कई संगठन खराब तरीके से चलाए जाते हैं। इस कदम को ट्रम्प प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत समझा जा रहा है। इस नीति का उद्देश्य वैश्विक संस्थाओं से दूरी बनाना और अमेरिका के घरेलू हितों को प्राथमिकता देना है। ट्रम्प का मानना है कि कई अंतरराष्ट्रीय संगठन अमेरिकी करदाताओं के पैसे का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं और अमेरिकी निर्णयों पर प्रभाव डालते हैं। अमेरिका के बाहर निकलने वाले संगठनों में इंटरनेशनल सोलर अलायंस (ISA) भी शामिल है। यह संगठन भारत की पहल पर 2015 में पेरिस जलवायु सम्मेलन के दौरान शुरू किया गया था। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन फ्रेंच राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने मिलकर लॉन्च किया था। ISA का उद्देश्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग बढ़ाना और विकासशील देशों को सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी में मदद प्रदान करना है। अमेरिका के इस कदम से संगठन पर प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि अमेरिका सौर ऊर्जा के वैश्विक कार्यक्रमों में एक बड़ा खिलाड़ी रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका के इस निर्णय से अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर असर पड़ेगा और वैश्विक मुद्दों जैसे जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और विकास में अमेरिका की भूमिका कम हो सकती है।

थरूर बोले- नेहरू की गलतियां माननी जरूरी, लेकिन हर समस्या के लिए उन्हें दोषी ठहराना गलत और अनुचित

तिरुवनंतपुरम/कोच्चि। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हाल ही में नेहरू को लेकर अपने स्पष्ट और संतुलित विचार व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की गलतियों को स्वीकार करना जरूरी है, लेकिन देश की हर समस्या के लिए उन्हें अकेले दोषी ठहराना पूरी तरह गलत और अनुचित है। थरूर ने अपने तर्क में कहा कि नेहरू को एक सुविधाजनक बलि का बकरा बनाना आधुनिक राजनीति में आम प्रवृत्ति बन गई है, खासकर मोदी सरकार के कार्यकाल में। थरूर ने स्पष्ट किया कि वह यह नहीं कहेंगे कि वर्तमान मोदी सरकार लोकतंत्र-विरोधी है, लेकिन निश्चित रूप से सरकार नेहरू-विरोधी अवश्य है। उनका कहना है कि नेहरू के योगदान को भुलाकर केवल उनके दोषों को उजागर करना भारतीय राजनीतिक दृष्टिकोण के लिए अनुचित है। थरूर ने कहा कि वे नेहरू के विचारों और दृष्टिकोण की गहरी प्रशंसा करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे उनकी हर नीति और निर्णय का अंधभक्ति के साथ समर्थन करें। थरूर ने यह बात केरल विधानसभा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव (KLIBF) के चौथे संस्करण में कही। इस अवसर पर उन्होंने नेहरू को भारतीय लोकतंत्र का संस्थापक बताया और कहा कि नेहरू ने लोकतंत्र को मजबूती से स्थापित किया। उनके विचार में नेहरू का योगदान केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने भारतीय समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों और सोच को स्थायित्व देने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान थरूर ने अपने लेखक जीवन के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि उनके बचपन में अस्थमा की बीमारी थी, जिससे उन्हें लंबे समय तक बाहर खेलने में कठिनाई होती थी। उस समय न तो टेलीविजन था और न ही मोबाइल फोन, इसलिए किताबें उनकी सबसे करीबी साथी बन गईं।

उन्होंने कहा कि बचपन में किताबों से जुड़ाव ने उनके लेखन और विचारशीलता को आकार दिया। थरूर ने यह भी साझा किया कि उनका पहला उपन्यास बहुत कम उम्र में लिखा गया था, लेकिन दुर्भाग्यवश स्याही गिरने के कारण वह नष्ट हो गया। इसके बाद भी उन्होंने लेखन जारी रखा और आज उनकी 28वीं पुस्तक श्री नारायना गुरू की जीवनी है। थरूर ने इस अवसर पर यह चिंता भी व्यक्त की कि आज दुनिया के कई हिस्सों में पढ़ने की आदत कम होती जा रही है, लेकिन केरल आज भी पढ़ने की संस्कृति में अग्रणी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि 1989 में उन्होंने The Great Indian Novel लिखी क्योंकि उस समय भारत में व्यंग्य विधा लगभग अनुपस्थित थी। उनके अनुसार, व्यंग्य और ह्यूमर का प्रयोग समाज और राजनीति को समझने का एक प्रभावी माध्यम है। थरूर ने युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आज के दौर में छोटे पन्नों वाली और कम समय लेने वाली किताबें ज्यादा प्रभावी हो सकती हैं, क्योंकि लोगों के पास पढ़ने के लिए समय कम होता जा रहा है। थरूर का यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि पढ़ने और सोचने की आदत केवल व्यक्तिगत विकास के लिए ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र और समाज को मजबूत बनाने के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इतिहास और राजनीति का संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है, और नेहरू के योगदान को केवल उनके दोषों से आंकना न्यायसंगत नहीं है। समाप्त करते हुए थरूर ने यह संदेश दिया कि भारतीय लोकतंत्र और संस्कृति को बनाए रखने के लिए हमें नेहरू के विचारों और उनके योगदान को समझने की जरूरत है, और केवल राजनीतिक रोटियाँ सेंकने के लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराना चाहिए। उन्होंने पढ़ाई और लेखन की आदत के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को छोटी किताबों और व्यंग्य विधा के माध्यम से सीखने और सोचने की प्रेरणा मिल सकती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886